दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 151 | सीकर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

संसद ने वंदे मातरम बिल को मंजूरी दी

राज्यसभा में एंटी पेपरलीक बिल पर चर्चा

नई दिल्ली

संसद के मौजूदा सत्र में लोकसभा ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी, जिसके तहत वंदे मातरम् के अपमान पर सजा हो सकती है। वहीं, राज्यसभा में पब्लिक एग्ज़ाम्स अमेंडमेंट बिल पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने नीट पेपर लीक मामलों को लेकर सरकार को घेरा, जिससे सदन में खूब हंगामा हुआ। यह सत्र में विधायी कार्यों और विपक्षी विरोध का मिश्रण देखा गया। गुरुवार को लोकसभा ने विपक्ष के हंगामे के बीच राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इसके बाद, विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पब्लिक एग्ज़ाम्स अमेंडमेंट बिल पेश किया जिसके बाद इसपर चर्चा हो रही है। हालांकि, इस दौरान हंगामा भी खूब हुआ। मनुस्मृति को लेकर खड़गे और नड्डा के बीच तीखी तरकार भी हुई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोधी कानून में प्रस्तावित संशोधन इस बात का प्रमाण है कि सरकार परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के प्रति 'कतई बर्दाश्त नहीं' करने की नीति पर चल रही है और किसी को भी देश के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

खड़गे बोले- शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति को मानने वाले बढ़े:शूद्र से पढ़ने का अधिकार छिना

नड्डा बोले- सबूत दें, सभापति ने रिकॉर्ड से हटाया

राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़े परीक्षा संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे के मनुस्मृति बयान पर हंगामा हुआ। वे शैक्षणिक संस्थाओं पर ऋस्र के दखल पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति मानने वाले बढ़ गए हैं, इससे शूद्र को पढ़ने का अधिकार छिन गया है। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। जेपी नड्डा ने टोकते हुए कहा कि खड़गे का बयान तथ्यों से परे है। इससे अशांति फैल सकती है। इसके बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मनुस्मृति वाला बयान रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा।

राजस्थान में कई शहरों में मानसून सक्रीय

चूरू में मूसलाधार बारिश, अस्पताल में घुसा पानी:रास्ते हुए बंद, दीवार के ऊपर से ले गए मरीज; सवाई माधोपुर में झरने बहे

जयपुर।

सावन के पहले दिन राजस्थान के कई शहरों में बारिश हुई। चूरू, जयपुर, सवाई माधोपुर सहित कई जिलों के अलग-अलग हिस्सों में पानी बरसा। चूरू के राजलदेसर में मूसलाधार बारिश से मुख्य बाजार, रिहायशी इलाकों और सरकारी अस्पताल में पानी भर गया। अस्पताल के उपकरणों और रिकॉर्ड को लाखों के नुकसान की आशंका है। यहां सरदारशहर के बाजारों में भी तीन फीट तक जलभराव हो गया।

जयपुर के चौमूं में तेज बारिश के कारण सड़कें डूब गईं। लगातार बारिश के कारण सवाई माधोपुर के रणथंभौर में झरने बहने लगे। मौसम विभाग के अनुसार- बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन सिस्टम के असर 2 अगस्त तक तेज बारिश होगी।

350 साल पुरानी परंपरा से सामान्य से ज्यादा बारिश का दावा

नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में गुरुवार को 350 साल से ज्यादा पुरानी आषाढ़ी तौल परंपरा के आधार पर इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश का दावा किया गया। परंपरा के तहत मंदिर के खर्च भंडार में 27 तरह की सामग्री अलग-अलग छोटी मटकी में रखी जाती हैं।

इनमें मूंग हरा, मक्की सफेद, बाजरा, ज्वार, तिल्ली सफेद, उड़द, मोठ, ग्वार, गेहूं चन्द्रेसी, चना पीला, सरसों पीली, गुड़, नमक, घास आदि शामिल हैं। सभी मटकी को तौलकर बंद कर दिया जाता है। 24 घंटे के बाद इन सभी मटकी को खोला जाता है और दोबारा तौला जाता है। पहले और दूसरे दिन के वजन की तुलना की जाती है।

मानसून के बड़े अपडेट्स

पिछले 24 घंटे में कहां कितनी हुई बारिश:

सबसे ज्यादा बारिश प्रतापगढ़ जिले में 40 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा दौसा के बांदीकुई में 36 मिमी, बैजूपाड़ा में 23 मिमी, अलवर के टहला में 20 मिमी और मालाखेड़ा में 15 मिमी बारिश हुई। वहीं बारां, भीलवाड़ा, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड़, कोटा, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई।

कमजोर होकर डिप्रेशन में बदला सिस्टम:

जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- पूर्वी भारत के ऊपर बना डीप डिप्रेशन सिस्टम कमजोर होकर डिप्रेशन में तब्दील हो गया है। वर्तमान में यह सिस्टम उत्तरी ओडिशा, दक्षिणी झारखंड और उससे सटे छत्तीसगढ़ क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। आगामी 24 घंटों में इसके धीरे-धीरे पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ने की संभावना है।

अतिभारी बारिश की आशंका:

इस सिस्टम के असर से पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर और कोटा संभाग के ज्यादातर भागों में आगामी 5-6 दिन मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा। इस दौरान अधिकांश इलाकों में मध्यम से तेज और कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है।

श्रीगंगानगर में पारा 40 डिग्री पार:

दूसरी ओर, पश्चिमी राजस्थान के श्रीगंगानगर, बीकानेर और चूरू के आसपास तापमान अधिक होने से गर्मी व उमस का असर बरकरार है। बुधवार को श्रीगंगानगर में दिन का अधिकतम तापमान सबसे ज्यादा 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा बीकानेर में अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री रहा।

हाईकोर्ट बोला-रामगढ़ बांध में अतिक्रमण करने वालों के नाम बताओ:कहा- कब तक चाय-बिस्किट खाकर मामला निपटाते रहेंगे, मौके पर जाकर फिजिकल सर्वे करे

जयपुर।

राजस्थान हाईकोर्ट में रामगढ़ बांध में अतिक्रमण को लेकर आज सुनवाई हुई। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए कलेक्टर को दो सप्ताह में बांध के कैचमेंट एरिया में अतिकर्मियों की रिपोर्ट उनके नाम सहित बताने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में यह बताया जाए कि बांध के कैचमेंट एरिया में किस-किस ने अतिक्रमण कर रखा है, किसके फार्म हाउस है, किसके होटल चल रहे हैं और कौन रेस्टोरेंट संचालित कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो, उसके नाम के साथ रिपोर्ट सबमिट की जाए। बेंच ने सरकारी विभागों की कार्यशैली पर भी टिप्पणी करते हुए कहा- 'आप लोग कब तक मीटिंग में चाय-बिस्किट खाकर मामले को निपटाते रहेंगे, मौके पर जाकर फिजिकल सर्वे करना चाहिए।'

पांच नदियों के बहाव क्षेत्र से अतिक्रमण हटना चाहिए

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमित्र अभिनव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि रामगढ़ बांध मुख्य रूप से बाणगंगा नदी और उसकी अन्य सहायक नदियों से भरा जाता था। वर्तमान में इन नदियों का प्राकृतिक बहाव रुकने और अतिक्रमण के चलते इनका पानी रामगढ़ बांध तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस पर कोर्ट ने जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभाग को निर्देश दिया कि विराटनगर से लेकर रामगढ़ बांध तक पानी लाने वाली बाणगंगा, ताला, रोड़ा और माधवेणी नदी के बहाव क्षेत्र से अतिक्रमण हटाए।

'स्वस्थ एवं शिक्षित महिला सशक्त राष्ट्र' पर कार्यशाला आयोजित

महिला स्वास्थ्य की दिशा में समग्र दृष्टिकोण से कार्य करने की आवश्यकता : राज्यपाल

जयपुर/कोटा।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हमें उन्हें शिक्षा से जोड़ना होगा। महिलाएं सशक्त होंगी तो समाज विकसित होगा और राष्ट्र भी सशक्त बनेगा। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करने के लिए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की सराहना की और महिला स्वास्थ्य की दिशा में समग्र दृष्टिकोण से कार्य करने पर बल दिया।

राज्यपाल श्री बागडे गुरुवार को कोटा के सिआम ऑडिटोरियम में कृषि विश्वविद्यालय कोटा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'स्वस्थ एवं शिक्षित महिला सशक्त राष्ट्र' विषेयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य एवं उनकी शिक्षा पर आधारित चर्चा समाज एवं राष्ट्र के विकास में उपयोगी सिद्ध होगी।

राज्यपाल ने कहा कि पहले नौकरियों में महिलाओं की संख्या काफी कम होती थी, लेकिन आज विभिन्न कार्यालयों में नौकरीपेशा महिलाओं का प्रतिशत अच्छा है। विभिन्न परीक्षा परिणामों में छात्राएं बाजी मार लेती हैं और उनका उत्तीर्ण प्रतिशत भी छात्रों के मुकाबले अधिक रहता है। उन्होंने इन्फोसिस के संस्थापक श्री नारायण मूर्ति की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा मूर्ति एवं इन्दौर की कमला भागवत का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने शिक्षा ग्रहण की और समाज में नाम रोशन किया। श्री बागडे ने स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों का आह्वान किया कि बच्चों के बुद्धि कौशल में वृद्धि करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करें। कक्षा में जाने से पहले शिक्षक स्वयं अध्ययन कर अपनी नॉलेज बढ़ाएं और वह ज्ञान बच्चों तक पहुंचाएं। उन्होंने आज की युवा पीढ़ी को आत्मविश्वास बढ़ाने तथा अपनी क्षमताओं का विकास कर जीवन में आगे बढ़ने को कहा।

श्री बागडे ने कहा कि भारतीय टेलेंट की आज विश्व में अलग पहचान है। अमेरिका एवं जर्मनी जैसे देश हमारे युवाओं को पढ़ाई के साथ जॉब का भी ऑफर दे रहे हैं। बचपन से ही बौद्धिक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देकर हम हमारे युवाओं की काबिलियत का लोहा पूरे विश्व में मनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवारों में संतुलन कायम करने, सामाजिक सरोकारों को निभाने के साथ ही रिश्तों को भी बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। वे सच्चे अर्थों में भारतीय संस्कृति की वाहक हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं का आह्वान किया कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अनूप कोठारी ने कहा कि महिला स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए, क्योंकि महिला स्वस्थ होगी तो पूरा परिवार स्वस्थ होगा। साथ ही, महिला सशक्त होगी तो परिवार भी सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि कई बार परिवार का ध्यान रखते-रखते अपने स्वयं की स्वास्थ्य की चिंता नहीं करती और वे व्याधियों की जकड़ में आ जाती हैं, ऐसे में स्वस्थ खानपान और स्वच्छता पर ध्यान देते हुए उनके शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी चर्चा की जानी चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल एवं अन्य अतिथियों ने कार्यशाला की स्मारिका सारांश पुस्तिका का विमोचन किया। श्री बागडे ने सिआम ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और ऑर्गेनिक उत्पादों के बारे में जानकारी ली।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी।

दिल्ली सरकार ने कहा- सीजेपी प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं होगा

पुलिस ने 13 एफआईआर दर्ज की थीं; जिनका क्रिमिनल रिकॉर्ड, उनपर एक्शन होगा

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस ने एक बयान में कहा है कि 29 जुलाई की शाम 6 बजे तक नीट (यूजी) परीक्षा में अनियमितताओं से जुड़े प्रदर्शन को लेकर 13 स्नङ्खक्रदर्ज की गई थीं। सरकार के आदेश के अनुसार, जिन लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने कहा कि जिन लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत को वैश्विक पर्यटन हब बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय और इंडिगो के बीच एमओयू

नई दिल्ली

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली में इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस रणनीतिक, गैर-अनन्य और गैर-वित्तीय साझेदारी का उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर एक पसंदीदा पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करना है।

गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में हुआ समझौता-समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (पर्यटन) सुमन बिल्ला, संयुक्त सचिव हरिकिशोर एस सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इंडिगो की ओर से मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा, क्रिएटिव डायरेक्टर वी. सुनील तथा अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस साझेदारी के तहत पर्यटन मंत्रालय और इंडिगो संयुक्त रूप से 'इन्क्रेडिबल इंडिया बाय इंडिगो' नाम से एक वैश्विक संचार अभियान शुरू करेंगे।

नवयत्न
कोबरी-सार

सरदारशहर में बसपा की बैठक आयोजित, 23 अगस्त के जयपुर कार्यक्रम को सफल बनाने पर जोर

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। बहुजन समाज पार्टी बसपा की बैठक गुरुवार को कच्चा बस स्टैंड स्थित स्थानीय पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बसपा के प्रदेश सचिव ओमप्रकाश खेजड़ा ने की। उन्होंने बताया कि आगामी 23 अगस्त को जयपुर में आयोजित होने वाले पार्टी के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने तथा सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, आगामी चुनावों की रणनीति तथा संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश सचिव ओमप्रकाश खेजड़ा ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जयपुर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। बैठक के दौरान संगठनात्मक जिम्मेदारियों का भी विस्तार किया गया।

मोहम्मद जबर हरदेसर को सरदारशहर विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नवरंगराम गोद, महासचिव भगवानाराम पनपालिया, प्रभारी अमर सिंह मेरा, रोहिताश खिलेरी, कोषाध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में ओमप्रकाश भोजासर, जगदीश गोकुलसर, रामेश्वर सवाई, बड़ी, खादिम हुसैन, ओमकार मलिक, घासीराम नायक, जगदीश नायक, खसरा, रामेश्वर लाल अडसीसर, लीलाधर रूपरेसर, बनवारी लाल बन्ना, बनवारी लाल सहारा, मुखराम जेतासर, लालचंद गोद, बिरजाराम, प्रभुदयाल, पप्पू राजासर, निरानाराम नायक, रामसीसर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम व श्रद्धा से मनाया

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। शहर के पंचावाली फाटक स्थित कौमी एकता की प्रतीक पीर नूर मोहम्मद खान पठान की दरगाह पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़ी धूमधाम व श्रद्धा से मनाया गया। गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर दीपदान व रात्रि में हवन का आयोजन किया गया। भक्त सीताराम बोहरा ने अपने शिष्यों को गुरु महिमा के बारे में बताया कि इस दिन शिष्य अपने गुरुओं का आभार व्यक्त करते हुए उनका नमन करते हैं। गुरु ही व्यक्ति को अज्ञानता से निकालकर प्रकाश रूपी ज्ञान की तरफ ले जाता है। गुरुदेव द्वारा सभी की खुशहाली तथा उन्नति की कामना की। दोपहर में सालासर बालाजी महाराज के खीर चूरमा का भोग लगाकर सभी भक्तों को पंगत प्रसादी वितरित की गई। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दरगाह खादिम ओपी सबल, दरगाह सेवक सुरेश करीरी व लक्ष्मण राम सैनी सिंगोद, प्रहलाद डबरिया, बंशीधर अनंतपुरा, गिरधारी लाल सैनी सिंगोद, रामनारायण चौमू, विक्की सामोद तथा सैकड़ों शिष्य व भक्तजन उपस्थित रहे।

श्मशान भूमि में करवाया टीन शेड का निर्माण

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। ग्राम पंचायत अमरपुरा की श्मशान भूमि में स्वर्गीय मोतीराम, स्वर्गीय चावली देवी एवं स्वर्गीय मनकोरी देवी पत्नी ख्यालीराम की पावन स्मृति में ख्यालीराम कुल्हरी एवं उनकी पुत्री पूनम कुल्हरी द्वारा टिन शेड का निर्माण करवाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भैरूसिंह कुल्हरी, शीशपाल कुल्हरी, भादरराम, हरिसिंह, हनुमान, सुभाष सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने इस सराहनीय एवं जनहितकारी कार्य के लिए ख्यालीराम कुल्हरी एवं पूनम कुल्हरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह टिन शेड अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को धूप एवं वर्षा से राहत प्रदान करेगा और लंबे समय तक ग्रामवासियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

बालिकाओं ने लिया पेड लगाने का संकल्प

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। पीएमश्री रमादेवी मुरारका राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित हरियालो राजस्थान के तहत पौधे वितरित किये गए। प्रधानाचार्य मूलचंद कालेर ने बताया कि इस वृक्षारोपण महाभियान के तहत बालिकाओं, ग्रामीणों एवं अभिभावकों को लगभग 1000 पौधे वितरित किए गए। अभियान का लक्ष्य राज्य में हरियाली बढ़ाना, पर्यावरण को बचाना तथा जलवायु परिवर्तन के असर को कम करना है।

सोनी समाज की राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए 10 अगस्त तक होंगे पंजीकरण

निसं

बुगाला (नवयत्न)। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज संस्था डीडवाना-कुचामन के तत्वावधान में राज्य स्तरीय द्वितीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 23 अगस्त तक राजकीय खेल स्टेडियम डीडवाना में होगा। महावीर प्रसाद जटावत ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के पंजीकरण 10 अगस्त तक किए जाएंगे। पंजीकरण शुल्क 6100 रुपये निर्धारित किया गया है तथा अधिकतम 16 टीमों को ही प्रवेश दिया जाएगा। संस्था के अनुसार विजेता टीम को 31 हजार रुपए व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 21 हजार रुपए व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बॉलर को भी नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के सभी मैच निविया टेनिस बॉल से खेले जाएंगे तथा उनका लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और टी-शर्ट की व्यवस्था आयोजन समिति की ओर से की जाएगी।

चूरू जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला परिषद सभागार में चूरू जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में चूरू विधायक हरलाल सहारण व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारी और समिति सदस्यों ने समिति में दर्ज प्रकरणों को लेकर विचार-विमर्श किया। इस दौरान चूरू विधायक सहारण ने कहा कि अधिकारी जनहित के प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण मंच है। इसलिए अधिकारियों से अपेक्षा है कि समिति में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बैठक में विचाराधीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में कार्रवाई व रिपोर्ट लंबित है, उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कर 15 दिनों में अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी के साथ जन शिकायतों के समाधान में विभागीय समन्वय बनाए रखें व निर्धारित समय सीमा में प्रकरणों का निस्तारण करें। एडीएम अर्पिता सोनी ने बैठक कार्यवाही का संचालन करते हुए विचाराधीन प्रकरणों व अनुपालना रिपोर्ट की जानकारी दी। समिति सदस्य पूर्व प्रधान विनोद देवी, दौलत तंवर, नौरंग वर्मा आदि ने क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत करवाया। समिति के सदस्यों ने विभिन्न जनहित से जुड़े परिवाद भी रखे और दर्ज प्रकरणों पर अपने सुझाव एवं अभिमत दिए। बैठक में समिति में दर्ज ओवरब्रिज के नीचे पानी भराव की समस्या, अतिक्रमण व रास्ते के प्रकरणों, खाद्य सुरक्षा, राजस्व, ग्रामीण विकास से जुड़े प्रकरणों, पीएचईडी से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने संबंधित प्रकरणों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही की जानकारी दी। इस दौरान एसीईओ भागचंद खारिया, चूरू एसडीएम धीरज झाझड़िया, रतनगढ़ एसडीएम मिथिलेश, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

शिविर में उपखंड अधिकारी ने की जन सुनवाई

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। आज आयोजित राजस्व शिविर में उपखंड अधिकारी, झुंझुनू रामकरण सिंह ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। शिविर के दौरान उपखंड अधिकारी ने विभिन्न विवादित एवं प्रचलित रास्तों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा वर्षों से प्रचलित एवं डोटेड रास्तों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए राजस्व टीम को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक काश्तकार को आवागमन हेतु सुगम एवं वैध रास्ता उपलब्ध कराया जाना प्राथमिकता है। उपखंड अधिकारी ने शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर तहसीलदार मुकेश कुमार, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेश बजाड़, भू-अभिलेख निरीक्षक विश्वास, पटवारी सरिता सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर मैदान पर केशवानन्द का परचम, फुटबॉल में भी बना चैंपियन

निसं

सीकर (नवयत्न)। एन एच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान ने खेल जगत में अपनी शानदार परंपरा को कायम रखते हुए सीबीएसई क्लस्टर अंडर 14 छात्र वर्ग फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का खिताब अपने नाम कर लिया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में संस्थान की टीम ने अलवर को 2-1 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। खेल प्रभारी महेन्द्र सहारण ने बताया पूरे टूर्नामेंट के दौरान केशवानन्द के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल, बेहतरीन तालमेल, मजबूत रक्षा पंक्ति और आक्रामक रणनीति का शानदार प्रदर्शन किया। संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका ने बताया कि इस ऐतिहासिक जीत के साथ एक बार फिर यह साबित हो गया कि केशवानन्द केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि खेलों का भी एक सशक्त केंद्र है।

खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं का यह शानदार परिणाम है। संस्थान के खिलाड़ी लगातार एथलेटिक्स, हैंडबॉल, तैराकी, कबड्डी और अन्य खेलों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। अब फुटबॉल में मिली यह चैंपियनशिप संस्थान की उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय बन गई है। जीत के इस शानदार अवसर पर संस्थान चैयरमेन सुरेन्द्र सिंह, सहनिदेशक गोपाल सिंह, कैंपस हेड राहुल ढाका, प्रधानाचार्य चन्द्र शेखर मिश्रा ने प्रशिक्षक नरेश श्योराण एवं अंकित सहित खिलाड़ियों को बधाइयां एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

शीशराम ओला की स्मृति में मैराथन दौड़

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय शीशराम ओला की 99वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को केसीसी के नेहरू मैदान में पूर्व उपप्रधान अमरसिंह गुर्जर के नेतृत्व में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जोगेंद्र दनचौली थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी बबलू अवाना, ढाणा सरपंच विकास सैनी, रामनिवास डैला एवं रामनिवास चिरानी मौजूद रहे। अतिथियों ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा शीशराम ओला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रतियोगिता में क्षेत्र के युवाओं, विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पूर्व उपप्रधान अमरसिंह गुर्जर ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला का संपूर्ण सार्वजनिक जीवन किसानों, ग्रामीण विकास, शिक्षा, खेल और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने प्रदेश ही नहीं, देशभर में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और आमजन के अधिकारों के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनकी स्मृति में आयोजित इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ने और स्वस्थ समाज निर्माण के लिए प्रेरित करने का माध्यम हैं। प्रतियोगिता के परिणामों में 5 किलोमीटर दौड़ में मोहन दनचौली ने प्रथम, निखिल ने द्वितीय तथा हर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

1600 मीटर दौड़ में विनीत प्रथम, अमित द्वितीय और युवराज तृतीय रहे। छात्राओं की 800 मीटर दौड़ में साक्षी ने पहला, सलोनी गुर्जर ने दूसरा तथा दीक्षा बुहाना ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेताओं को अतिथियों ने नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विजेंद्र अवाना, विक्रम सिंह, मेहरचंद, एसके जिंदड़, पवन कुमार, सुभाषए हंसराज, राजवीर डागर, संदीप, विकास, ताराचंद गुर्जर, नाहर सिंह, लीलाराम, प्रदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

शिव महापुराण कथा महोत्सव 7 अगस्त से

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। श्री पंच दसनाम जूना अखाड़ा प्राचीन शिव मठ दांता में शिव महापुराण कथा महोत्सव का आयोजन 7 अगस्त से 18 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं तथा शिव भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति के अनुसार महोत्सव का शुभारंभ 7 अगस्त, शुक्रवार को प्रातः 8:15 बजे श्री खेड़ापति बालाजी धाम दांता से विशाल कलश यात्रा के साथ होगा। इसके बाद प्रतिदिन 7 से 17 अगस्त तक प्रातः 10:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक रुद्राभिषेक तथा दोपहर 2:15 बजे से शाम 5:00 बजे तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन में संत सानिध्य के रूप में महंत थानापति हीरापुरी महाराज डूंगरी कला जयरामपुरी बाबा आश्रम, महंत नृसिंहपुरी महाराज उदयपुरिया मठ तथा महंत नर्मदापुरी महाराज शिव मठ दांता उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रख्यात कथावाचक नवरत्न महाराज कोलिड़ा श्रद्धालुओं को शिव महापुराण कथा का श्रवण कराएंगे। महोत्सव का समापन 18 अगस्त, मंगलवार को प्रातः 9:15 बजे हवन एवं पूर्णाहुति के साथ होगा। इसके पश्चात दोपहर 12:15 बजे से भण्डारा का आयोजन किया जाएगा।

एईडीपी-बीएफएसआई कौशल आधारित डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि 21 को

निसं

तारानगर (नवयत्न)। आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान के निर्देशानुसार चयनित राजकीय महाविद्यालयों में संचालित, प्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम बीएफएसआई में प्रवेश की अंतिम तिथि 21 जुलाई 2026 से बढ़ाकर 21 अगस्त 2026 कर दी गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि एईडीपी-बीएफएसआई बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा एक तीन वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम है, जो बी.कॉम. के समान विश्वविद्यालय द्वारा मान्य डिग्री प्रदान करता है।

इस पाठ्यक्रम की विशेषता यह है। कि पहले दो वर्षों में विद्यार्थियों को विषय का सैद्धांतिक अध्ययन कराया जाएगा, जबकि तृतीय वर्ष में बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों में अप्रेंटिसशिप/ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान विद्यार्थियों को प्रति माह न्यूनतम 12,300 का स्टाइपेंड भी प्राप्त होगा। प्राचार्य प्रो. डॉ. मूल चन्द ने बताया कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को बैंकिंग, बीमा, निवेश प्रबंधन, वित्तीय नियोजन, जोखिम प्रबंधन तथा डिजिटल बैंकिंग जैसे आधुनिक विषयों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

पाठ्यक्रम में केस स्टडी, उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यान, इंटर्नशिप तथा कौशल आधारित प्रशिक्षण को भी शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम की डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अन्य स्नातक डिग्रीधारकों की भाँति उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा सरकारी एवं निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए समान रूप से पात्र होंगे।

साथ ही बैंक, बीमा कंपनियों, माइक्रो फाइनेंस संस्थानों, फिनटेक कंपनियों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

महाविद्यालय के एईडीपी नोडल अधिकारी डॉ. कमल कुमार ने बताया कि प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी कॉमन एडमिशन फॉर्म वेबसाइट से डाउनलोड कर आवश्यक दस्तावेजों सहित 21 अगस्त 2026 तक महाविद्यालय में जमा करा सकते हैं। जो विद्यार्थी पहले से स्नातक प्रथम वर्ष में अध्ययनरत हैं तथा ट्रांसफर के माध्यम से एईडीपी-बीएफएसआई पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे भी प्रवेश नीति के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे इस रोजगारपरक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम का लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि से पूर्व प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएँ।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत-जिला कलेक्टर

निसं

झुंझुनू (नवयत्न)। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार व नौरंग राम दयानन्द ढुकिया नर्सिंग कॉलेज, झुंझुनू के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला युवा अधिकारी मधु यादव ने बताया की कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग रहे, अध्यक्षता संस्था सचिव संदीप ढुकिया ने की विशिष्ट अतिथि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा झाझड़िया, वरिष्ठ कोषधिकारी प्रियंका लाम्बा रहे। जिला कलेक्टर ने अपने सम्बोधन मे कहा कि युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मक सोच ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया स साथ ही कहा की ऐसे अभियान समाज मे सकारात्मक परिवर्तन लाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है स उन्होंने सभी प्रतिभागियों से नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम मे सामूहिक लोकगीत, समूह नृत्य, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, वाद-विवाद, लघु फिल्म रील निर्माण, नारा लेखन एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमे जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशा मुक्ति का संदेश दिया स वाद विवाद प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पर काजोल, कविता पाठन मे नितिन, लोकगीत मे कृतिका, चित्रकला मे महिमा व नुक्कड़ नाटक व सामूहिक लोकनृत्य मे एम. के. एम पब्लिक स्कूल खेतड़ी रहे स जिला युवा अधिकारी ने बताया की जिला स्तर पर चयनित विजेता प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे झुंझुनू जिलें का प्रतिनिधित्व करेंगे स राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को नई दिल्ली मे आयोजित राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा कॉन्क्लेव मे भाग लेने का अवसर मिलेगा स बतौर निर्णायकगण एन. एस. एस जिला समन्वयक शशि प्रकाश अहलावत, अध्यापक धर्मपाल सिंह, अध्यापक संतोष कस्वा व पिंकी रहे स मंच संचालन राष्ट्रीय युवा अवार्ड विजय ने किया।

विधायक को दस सुत्री मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी टाउनशीप स्थित विधायक जनसुनवाई केंद्र में दस सुत्री विभिन्न लंबित मांगों और कार्य संबंधी समस्याओं के समाधान की मांगों को लेकर गुरुवार को क्षेत्र की आशा सहयोगिनियों ने विधायक इंजी. धर्मपाल गुर्जर को चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के मार्फत अवगत करवाया कि 2026-27 बजट में दस प्रतिशत की बढोतरी की जाति है। लेकिन इस बार मानदेया की बढौतरी नही की गई। जबकी अन्यों का मानदेय बढाया गया है, आशा सहयोगिनी को स्वच्छिक कर्मी का दर्जा समाप्त कर राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, नियमितीकरण करने, सेवा निवृत के पश्चात दस लाख रूपए एक मुश्त राशी व दस हजार रूपए कि मासिक पेंशन देने, 24 हजार रूपए न्यूनतम मानदेय करने, मानदेय में वृद्धि करने, ऑफ लाईन कार्य करवाया जाएं, ऑन लाईन कार्य करवाने के लिए स्मार्ट फोन देने, आशा से क्लेम ही लिया जाए, आशा को आशा आईडी से ही कार्य करवाया जाए, एएनएमए सीएचओ की आईडी से कार्य नही करवाया जाए, आशा का कार्य निर्धारित करने, आशा को उनके अलावा अन्य कार्य नही करवाया जाएं, अन्य कार्य करवाने पर अलग से भुगतान करने प्रशिक्षण प्राप्त आशाओं से ही संबंधित कार्य लेने तथा एमएमए सीएचओ और एएनएम द्वारा अनावश्यक दबाव नहीं बनाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में रेखा शर्मा, प्रेम लता, सुबिता, लाली, कैलाश, पुनम, सुनिता, सरोज, सुलोचना, सुमन सहित आदि आशा सहयोगिनियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे चरणबद्ध आंदोलन करने को मजबूर होंगी। उन्होंने सरकार से आशा सहयोगिनियों के हितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की।

राजकीय भर्तियां अस्पताल में लगे विधायक लापता के पोस्टर

निसं

चूरू (नवयत्न)। भले ही प्रदेश में विधानसभा चुनाव में लंबा समय बचा हो लेकिन चूरू में पोस्टर पॉलिटिक्स ने आरोप प्रत्यारोप की नई बहस छेड़ दी है गुरुवार को चूरू के राजकीय भर्तिया अस्पताल में चूरू विधायक हरलाल सहारण लापता के लगे पोस्टर ने अस्पताल प्रसाशन में हड़कंप मचा दिया। पुरे अस्पताल परिसर में लगे जगह-जगह पोस्टर अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस सम्बंध में अस्पताल के मेडिकल सुप्रिडेंट डॉक्टर दीपक चौधरी ने कहा मामला संज्ञान में आते ही पोस्टर उतरवा, गए और सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर दो युवक नजर आए एजिनके खिलाफ कानूनी कारवाई की जाएगी। वही इस सम्बंध में चूरू भाजपा विधायक हरलाल सहारण ने कहा यह काम असामाजिक तत्वों का है जिन कांग्रेस से जुड़े युवकों ने यह काम किया है, उनके नेता तो क्या यहाँ रहते हैं।

डीएसपी पहुँचे मौके पर

अस्पताल में विधायक लापता के पोस्टर चिपके होने की सूचना के बाद डीएसपी गजेंद्र सिंह अस्पताल पहुँचे और मामले की जानकारी जुटाकर अस्पताल के गार्डो को फटकार लगाई और कहा आपकी ड्यूटी है आप कहा थे वही इस सम्बंध में कैमरे पर बोलने से अधिकारियों ने साफइंकार कर दिया और कहा आगे की जांच के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि पोस्टर किसने चिपकाए।

अस्पताल में बदहाल है व्यवस्था

राजकीय भर्तिया अस्पताल अपनी बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहता है। बायोवेस्ट से लेकर अस्पताल में साफ -सफाई और रैफरल को लेकर अक्सर अस्पताल की शिकायतें होती रहती है और जिला प्रसाशन और स्थानीय विधायक पर अस्पताल की अव्यवस्थाओ पर ध्यान नही देने का आरोप है।

दो बेटियों के जन्मोत्सव पर लगाए 101 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

निसं

सूरजगढ़ (नवयत्न)। ग्राम पंचायत फरट के गोपीनाथपुरा गांव में सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए दिनेश आर्य ने अपनी दो पुत्रियों यश्वी आर्य एवं पल्लवी आर्य के जन्मदिवस के अवसर पर भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने मुक्तिधाम एवं बालाजी मंदिर परिसर में नीम, पीपल, जामुन, बिलपत्र एवं पापड़ी के छायादार पेड़ लगाए। उपस्थित ग्रामीणों एवं गणमान्य नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी ने पेड़ पौधों की देख भाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता मनजीत सिंह तंवर एवं अन्य वक्ताओं ने कहा कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ तथा अन्य मांगलिक अवसरों पर पौधारोपण जैसी सकारात्मक पहल समाज के लिए प्रेरणादायी है। इस मौके पर होशियार सिंह, मोतीलाल, रघुवीर, कपील डोसी वाल, रणजीत सिंह बेनीवाल, शिक्षाविद चंद्रभान, दिनेश आर्य, सम्पत, सुरजभान, सत्यवीर, ताराचंद गर्सा, अनिल मेहरा, दिनेश कुमार, शान्ति, मनीषा, लाली, चमेली, विनोद देवी, मंजू, शिला देवी, सुदेशना देवी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं शतचंडी महायज्ञ सम्पन्न

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में राज-राजेश्वरी सेवाश्रम में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं शतचंडी महायज्ञ श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपरा के अनुरूप आश्रम प्रमुख महामंडलेश्वर कृष्णानन्द महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

महायज्ञ में क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ में आहुतियाँ अर्पित कीं तथा संत-महात्माओं के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से गुरु पादुका पूजन एवं यंत्र पूजन कर अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन पर सुन्दरकाण्ड पाठ व महाप्रसाद वितरण किया गया महामंडलेश्वर कृष्णानन्द महाराज ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संत-महात्माओं, यजमानों, सेवाभावी कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं के प्रेम, सहयोग एवं माँ राज-राजेश्वरी की असीम कृपा से यह महोत्सव अत्यंत सफल एवं दिव्य रूप से सम्पन्न हुआ। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि, आरोग्य एवं आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। इस अवसर पर विधायक पूसाराम गोदारा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, संतोष इंदौरिया, हेमन्त सारस्वत, अर्जुन पुजारी, हरीश जैसनसरिया, अरविन्द चकलान, जयप्रकाश ताम्रायत, रामदेव चंदनिया, परमेश्वर लाल, कैलाशचंद्र आत्रेय, अम्बिका प्रसाद हारित, मनोज पारिक, जयकान्त बिंवाल, सत्यनारायण सेवदा, प्रदीप धर्ड, पंकज हर्षवाल, वैद्य शांतिलाल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

सरकारी विद्यालय में विद्यार्थियों को टाई बेल्ट का वितरण

निसं

बुगाला (नवयत्न)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, राणासर कैप्टन महेंद्र सिंह झाझड़िया द्वारा विद्यार्थियों को नि:शुल्क टाई व बेल्ट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत राणासर के कैप्टन महेंद्र सिंह झाझड़िया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से निर्धारित वर्दी पहनकर अनुशासन के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में रमेश कुमार, रामावतार मीणा, अशोक झाझड़िया, देवकरण, योगेंद्र, सुनील, रिंकू स्वामी, बिहारी लाल, भूपेंद्र सहित विद्यालय स्टाफतथा ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जलभराव पोईंट्स पर बोरवेल के लिए करवायेंगे सर्वे : कार्यवाहक आयुक्त

निसं

सुजानगढ (नवयत्न)। सुजानगढ़ नगरपरिषद को एक बार फिर से अस्थायी आयुक्त मिल गया है। हालांकि इस बार 14-15 दिन का चार्ज दिये जाने की बजाय बीदासर के अधिशाषी अधिकारी द्वारका प्रसाद को सुजानगढ़ नगरपरिषद का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। चूरू जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की ओर से जारी आदेशों में द्वारका प्रसाद को आगामी आदेश तक नगरपरिषद आयुक्त सुजानगढ़ का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। द्वारका प्रसाद ने गुरूवार को सुजानगढ़ पहुंचकर आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने सफाई निरीक्षक ओमप्रकाश स्वामी को निर्देशित किया है कि वो जलभराव वाले क्षेत्रों में तुरंत जल निकासी की व्यवस्था करें। साथ ही उन्होंने बताया है कि काम नहीं करने वाले कर्मचारियों को हिदायत दी जायेगी। उन्होंने बताया कि लाडनू बस स्टेंड, गांधी चैक, गांधी बालिका स्कूल से पुलिया जाने वाली सड़क पर जल भराव के बारे में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। कार्यवाहक आयुक्त द्वारका प्रसाद ने बताया कि जलभराव वाले पोईंट्स पर समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगरपरिषद के एटीपी उदयसिंह, सहायक अभियंता चारवी को मैंने निर्देश दिए हैं, जल्द ही ऐसे क्षेत्रों में बोलवेल के लिए सर्वे कम्पलीट कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि बोरवेल सर्वे से इस बात का पता चलेगा कि धरती में कितनी फिट के बाद चट्टान आयेगी और उसे कैसे उसे तोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में बोरवेल में पानी डालकर ही इस समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है। क्योंकि इसे पहले भी कई शहरों में आजमाया जा चुका है और यह प्रयोग हर बार सफल रहता है। दूसरी ओर शहर के लाडनू बस स्टेंड, गांधी चैक, गांधी बालिका स्कूल से पुलिया की ओर जाने वाली सड़क पर तीन दिनों के बाद भी पानी का भराव बना हुआ है। पुलिया की तरफजाने वाली सड़क तो अपने आप में छोटी नदी के स्वरूप में नजर आती है। इस सड़क के व्यापारियों का व्यवसाय चैपट हो रहा है। लोगों को रास्ते बदलकर यहां से निकलना पड़ता है। और तो और बदबूदार पानी में अब मच्छर भी पनपने लगे हैं।

विजय कुमार नायक बने तहसील प्रभारी

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ की लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने अपने संगठन विस्तार अभियान के तहत क्षेत्र में नई जिम्मेदारी सौंपते हुए विजय कुमार नायक वार्ड संख्या 29 को ट्रस्ट का तहसील प्रभारी नियुक्त किया। नियुक्ति ट्रस्ट के कार्यालय कीर्तनीय भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के संभाग प्रभारी मनोज शर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर सूर्य प्रकाश चोटिया, दिव्यांग प्रकोष्ठ के नरेश ढण्ड कमल सैनी भी उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों का ट्रस्ट परिवार द्वारा अंगवस्त्र दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया तथा उन्हें रामचरितमानस एवं सरल गीता के पावन ग्रंथ भेंट किए गए। संभाग प्रभारी मनोज शर्मा ने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, सेवा गतिविधियों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी अभियानों की विस्तृत जानकारी दी।

ग्राम पंचायतो में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

निसं

झुंझुनू (नवयत्न)। जिले में चलाए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर के तहत शुक्रवार को जिले की 12 पंचायत समितियों की 15 ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित होंगे। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि शुक्रवार को झुंझुनू पंचायत समिति की बिशनपूरा, उदयपुरवाटी की छापोली, अलसीसर की हंसासर व कोदेसर, बूहाना की काजला, सिंघाना की श्यामपुरा मैंनाना, पिलानी की दोबडा, चिड़ावा की लांबा, मंडावा की पिलानी खुर्द, खेतड़ी की सिहोड एवं बसई, नवलगढ़ की टोंक छिलरी एवं गिरधरपुरा, सूरजगढ़ की भावटडी एवं गुड्डागौडजी की दूडीया ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित होंगे।

एनडीपीएस एक्ट के एक 8 साल पुराने मामले में आरोपित को 10 साल की सजा

निसं

तारानगर (नवयत्न)। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश तारानगर संतोष कुमार मीणा ने एनडीपीएस एक्ट के एक 8 साल पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपित को 10 साल के कठोर कारावास से दंडित किया है। न्यायाधीश मीणा ने पुलिस थाना तारानगर में दर्ज 08 वर्ष पुराने प्रकरण में अभियुक्त मुकेश कुमार पुत्र महावीर प्रसाद जाट उम्र 28 साल निवासी मलसीसर, जिला झुंझनू, राजस्थान को धारा 8/15, 25 एनडीपीएस. एक्ट में दोषसि मानते हुए दस वर्ष के कठोर कारावास से दंडित किया है साथ ही एक लाख रूपए अर्थदण्ड से भी दंडित किया है। अर्थदण्ड राशि जमा नहीं करवाने पर आरोपित को 1 वर्ष का साधारण कारावास अतिरिक्त भुगतना होगा। अभियोजन की ओर से मामले में पैरवी अपर लोक अभियोजक एडवोकेट पंकज कुमार स्वामी ने की।

एक घंटे की मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर में गुरुवार सुबह करीब 6 बजे से 7 बजे के बीच हुई एक घंटे से अधिक की मूसलाधार बारिश ने राजलदेसर कस्बे की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तेज बारिश के चलते पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई और कई मुख्य मार्गों सहित निचले इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा तथा कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस जाने से घरेलू सामान व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। बारिश के कारण गांधी चौक, रेलवे स्टेशन रोड, फ्रेंड्स सोसायटी मार्ग, महेंद्र मुनि मार्ग, मेहंदीपुर बालाजी मार्ग, मुरलाई बस्ती, अंजनी माता मंदिर मार्ग, ढोली बस्ती, वार्ड संख्या 26 और वार्ड संख्या 35 सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित राजकीय चिकित्सालय रहा, जहां 4 से 5 फीट तक पानी भर जाने से रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा स्टोर रूम में पानी घुस गया। इससे अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मरीजों और चिकित्साकर्मियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान नगर पालिका की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हुए। सुबह करीब 5:30 बजे बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद पंप हाउस में लगे जनरेटर में डीजल उपलब्ध नहीं होने से जल निकासी का कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके कारण कई इलाकों में पानी लंबे समय तक जमा रहा। हालांकि अच्छी बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने इसे खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया। साथ ही लगातार पड़ रही उमस और गर्मी से भी लोगों को राहत मिली। अधिशासी अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के सभी कर्मचारियों को राहत कार्य में लगाया गया है। जिन क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है, वहां टैंकर और पंपसेट लगाकर पानी निकासी का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया जाएगा तथा आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र बहाल की जाएंगी। समाचार लिखे जाने तक शाम तक भी कस्बे के कई मार्ग जलमग्न रहे, और अनेक स्थानों पर पानी की निकासी पूरी तरह नहीं हो सकी, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मेट्रो अस्पताल की तरफसे तेजाजी मन्दिर में 51 हजार रुपए नगद व निर्माण सामग्री देने की घोषणा की

निलेश मुदगल

झुंझुनू (नवयत्न)। झुंझुनू शहर में तीन नम्बर रोड़ पर स्थित प्रतिष्ठित अस्पताल मेट्रो अस्पताल की तरफसे रामप्रताप बुडानिया एवं डॉ. पुष्पेन्द्र बुडानिया द्वारा तेजाजी मन्दिर क्यामसर में सहयोग के तौर पर 51 हजार रुपए नगद व निर्माण सामग्री देने की घोषणा करने पर राष्ट्रीय जाट महासंघ ने किया भव्य स्वागत। राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद लोयल, झुंझुनू शहर ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार विजय सिंह बेनीवाल, मंडावा ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार रामवतार लोयल, ब्लॉक सचिव करणीराम ने समाजसेवी रामप्रताप बुडानिया एवं डॉ. पुष्पेन्द्र बुडानिया का साफा व फूलमाला पहनाकर के स्वागत किया। जनसहयोग से निर्माणाधीन क्यामसर में तेजाजी महाराज का मन्दिर भारत का सबसे बड़ा 165 फीट ऊंची शिखर का मन्दिर बनेगा, जिसमें सभी का तन-मन-धन से अच्छा सहयोग मिल रहा है।

आयुर्वेदिक शिविर आयोजित

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ वेलफेयर ट्रस्ट व डालमिया सेवा ट्रस्ट चिड़ावा के संयुक्त तत्वावधान में मासिक आयुर्वेदिक रोग निदान केन्द्र शिविर लगा। जिसमें 107 मरीजों की जांच कर एक माह की नि:शुल्क दवा दी गई। त्रिलोकचंद शर्मा के अनुसारहर माह की 29 तारीख को आयोजित होने वाले इस आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में आने वाले मरीजों की नाड़ी विशेषज्ञ डॉ महावीर प्रसाद शर्मा द्वारा नि:शुल्क जांच कर उन्हें एक माह की नि:शुल्क आयुर्वेदिक दवाएं वितरण किया गया।

गोयल परिवार ने विद्यार्थियों को भेंट किए टिफिन, विद्यालय परिवार ने किया अभिनंदन

निसं

तारानगर (नवयत्न)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नवीन तारानगर में आज भामाशाह एवं समाजसेवी उद्योगपति ताराचंद गोयल एवं विम्मी गोयल के प्रेरक गोयल परिवार का विद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संस्था प्रधान डॉ. अशोक कुमार जांगिड़ के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में गोयल परिवार ने विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को उपयोगी एवं आकर्षक टिफिन बॉक्स भेंट किए। उपहार प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे तथा उनमें शिक्षा के प्रति उत्साह एवं प्रेरणा का संचार हुआ। विद्यालय परिवार ने गोयल परिवार के इस सराहनीय एवं छात्रहितैषी योगदान की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। वरिष्ठ प्राध्यापक सुशील कुमार ने बताया कि गोयल परिवार द्वारा विद्यालय को पूर्व में 10 किलोवाट सोलर प्लांट एवं बालिका शौचालय निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्यों में भी सहयोग प्रदान किया गया है। इस अवसर पर इन कार्यों के प्रेरक सुशीला गोयल, रमेश कुमार गोयल एवं पवन कुमार बंसल का विद्यालय परिवार द्वारा साफा एवं सम्मान-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। उपप्रधानाचार्य शिवकुमार सहारण ने विद्यालय के भावी विकास एवं आवश्यकताओं से गोयल परिवार को अवगत कराया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर नरेश सैनी, कृष्ण मुरारी, रमेश कुमार, नीलम बेनिवाल, सरोज धायल, कंचन जांगिड़, पूनम, सुमन, वीणा पूनिया, अजय सिंह, सुमन सांगवान, सुनीता, शुभकरण, संतोष, सुनीता बराला, सतवीर, कविता, रणजीत सिंह सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुमन बाला ने किया।

बस भरकर झुंझुनू पहुंचे वाल्मीकि समाज के लोग, भर्ती प्रक्रिया में बुहाना को शामिल करने की मांग

अशोक राईका

झुंझुनू (नवयत्न)। प्रदेश में चल रही सफाई कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया में नगरपालिका बुहाना को शामिल नहीं किए जाने पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा। समाज के लोग बस भरकर बुहाना से झुंझुनू पहुंचे और नगरपालिका में स्थायी सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि बुहाना को नगरपालिका का दर्जा मिले काफी समय हो चुका है, लेकिन आज तक यहां एक भी स्थायी सफाई कर्मचारी नियुक्त नहीं किया गया। वर्तमान में पूरे शहर की सफाई व्यवस्था ठेकेदार के माध्यम से संचालित हो रही है। जबकि प्रदेश के अन्य नगर निकायों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है, उसमें नगरपालिका बुहाना को शामिल नहीं किया गया। वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि नई नगरपालिका होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखा जाना स्थानीय युवाओं के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया में संशोधन कर नगरपालिका बुहाना को भी शामिल किया जाए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके और शहर की सफाई व्यवस्था स्थायी रूप से सुदृढ़ हो। ज्ञापन सौंपने वालों में कैलाश चंद, राजेश कुमार, राजकुमार, सुमेर सिंह, लखन, संतोष, रोहित, पवन, धर्मवीर, किशोरी लाल, मंजू देवी, अनिता देवी, मनीषा देवी, जमना देवी, नेहा कुमारी, मीना कुमारी, आची देवी, नीरू देवी, सुमन देवी, अल्का देवी, निर्मला देवी, रेणु देवी, बबीता देवी, संजू देवी, सोनू देवी, आरती कुमारी सहित बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

स्तरहीन चर्चा

अंतत: पेपर लीक विरोधी संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित हो गया। राज्यसभा से भी इस विधेयक के पारित होने के आसार हैं। इस विधेयक पर संसद की मुहर लगने के साथ ही पेपर लीक विरोधी कानून और अधिक कठोर हो जाएगा, लेकिन यह समय बताएगा कि वह परीक्षाओं में सेंध लगाने वाले तत्वों को हतोत्साहित करने में सफल होगा या नहीं?

नि:संदेह परीक्षाओं में सेंध लगने की समस्या को देखते हुए पेपर लीक विरोधी कानून को कठोर किया ही जाना चाहिए, लेकिन यह ध्यान रहे कि कड़े कानून एक सीमा तक ही प्रभावी होते हैं। आवश्यकता इसके उपाय करने की भी है कि पेपर लीक हो ही न सकें। आशा की जाती है कि नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में गठित समिति की ओर से सुझाए गए उपायों पर अमल करने में भी तत्परता दिखाई जाएगी। ऐसा करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि देश में पेपर लीक कराने वाला एक माफिया पैदा हो गया है।

यह माफिया इसलिए पैदा हुआ है, क्योंकि ऐसे छात्रों की संख्या बढ़ी है, जो छल-छद्म से परीक्षा पास करना चाहते हैं। इसी के साथ स्कूली परीक्षाओं में भी नकल की प्रवृत्ति बढ़ती चली जा रही है। जो छात्र स्कूली परीक्षाओं में नकल करके पास होते हैं, वही आगे चलकर प्रतियोगी परीक्षाओं को अनुचित तरीके से पास करने के जतन करते हैं। स्पष्ट है कि पेपर लीक की समस्या के पीछे कहीं न कहीं समाज का चारित्रिक पतन भी जिम्मेदार है। इसे इससे समझा जा सकता है कि छात्रों और अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षक भी पेपर लीक में लिप्त पाए जा रहे हैं। यह एक विडंबना रही कि लोकसभा में पेपर लीक विरोधी कानून को और कठोर किए जाने संबंधी विधेयक पर चर्चा के दौरान पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तो खूब हुए, लेकिन पेपर लीक की समस्या के लिए उत्तरदायी नैतिक पतन की ओर ध्यानाकर्षण नहीं किया गया। कहीं इसलिए तो नहीं कि हमारे कई जनप्रतिनिधि भी ऐसे हैं, जिन पर छल-कपट के सहारे पास होने के आरोप लगे हैं? यह निराशाजनक रहा कि लोकसभा में पेपर लीक विधेयक के गुण-दोष पर बहुत कम चर्चा हुई। पक्ष-विपक्ष एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करता रहा और शिक्षा एवं परीक्षा व्यवस्था की कमियों पर गंभीर चर्चा करने के लिए आगे नहीं आया। जो चर्चा हुई भी, वह स्तरहीन ही रही। ऐसा लगा कि पक्ष-विपक्ष की रुचि पेपर लीक के लिए एक-दूसरे को दोषी बताने की रही। कुछ नेता तो ऐसे रहे, जिन्होंने पेपर लीक विधेयक पर कुछ कहा ही नहीं। इसके बजाय वे इधर-उधर की बातें करते रहे। इनमें नेता विपक्ष राहुल गांधी भी रहे। उनका भाषण एक तरह से इसका परिचायक रहा कि किसी गंभीर मुद्दे पर सार्थक चर्चा कैसे न की जाए। उनके भाषण उन्हें चर्चा में तो ला देते हैं, पर उनसे किसी को कुछ हासिल नहीं होता।

विशेष आलेख

परीक्षा प्रणाली को जड़ से बदलने का अवसर

यदि निर्धारित प्रश्नपत्र और असुरक्षित मशीनें बनी रहीं तो चोरी का रास्ता बंद नहीं होगा, बल्कि वह केवल कागज से खिसककर स्क्रीन पर आ जाएगा। संसद की स्थायी समिति भी कह चुकी है कि वर्ष 2024 में एनटीए द्वारा आयोजित 14 परीक्षाओं में से पांच परीक्षाएं बाधित हुई थीं। इसीलिए हमें पूरी परीक्षा प्रणाली बदलनी होगी, क्योंकि कंप्यूटर आधारित परीक्षा कोई रामबाण समाधान नहीं है।

भारत की परीक्षा व्यवस्था इन दिनों अपने सबसे बड़े मंथन के दौर से गुजर रही है। गत दिनों नीट-यूजी 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने के कारण 23 लाख विद्यार्थियों की परीक्षा रद करनी पड़ी। इसके विरोध में दिल्ली से लेकर देशभर में व्यापक छात्र आंदोलन हुए। जवाबदेही की मांग के बीच शिक्षा मंत्री ने त्यागपत्र दे दिया तथा एनटीए के 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया।

इसी बीच केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा ओएमआर शीट के बजाय कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। राधाकृष्णन समिति ने वर्ष 2024 में भी यही सिफारिश की थी। यह एक स्वागतयोग्य कदम है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार ने युवाओं की आवाज सुनी है और सही दिशा में पहल की है, परंतु यह क्षण केवल एक परिवर्तन तक सीमित नहीं है। जब पूरी परीक्षा प्रणाली कागज से स्क्रीन पर स्थानांतरित हो रही है तो आधा-अधूरा बदलाव क्यों किया जाए?

जिस प्रकार वर्ष 1991 के आर्थिक संकट ने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नए द्वार खोले थे, उसी प्रकार वर्ष 2026 का परीक्षा-संकट भारतीय परीक्षा व्यवस्था को इक्कीसवीं सदी के अनुरूप बनाने का अवसर प्रदान कर सकता है, बशर्ते हम दूरदर्शिता के साथ बड़ा सोचें।

प्रस्तावित माडल जेईई मेन की तर्ज पर बहु-पाली सीबीटी का है, जिसमें प्रत्येक पाली के सभी परीक्षार्थियों को एक ही निर्धारित प्रश्नपत्र मिलेगा। यही ढांचा वर्ष 2021 में सेंध का शिकार हो चुका है। जेईई मेन 2021 पूरी तरह कंप्यूटर आधारित थी, फिर भी सोनीपत के एक परीक्षा केंद्र पर %रिमोट एक्सेस% साफ्टवेयर के माध्यम से बाहर बैठे साल्वर परीक्षार्थियों के प्रश्नपत्र हल कर रहे थे। सीबीआइ जांच के अनुसार, प्रति उम्मीदवार 12 से 15 लाख रुपये तक वसूले गए। साफ्टवेयर से छेड़छाड़ के आरोप में एक रूसी हैकर भी पकड़ा गया, जिससे कथित रूप से 800 से अधिक उम्मीदवारों को लाभ पहुंचा। अमेरिका की जीआरई जैसी परीक्षाएं केवल %कंप्यूटर पर% आयोजित नहीं होतीं, बल्कि वे एडेप्टिव होती हैं। इनमें विशाल एन्क्रिप्टेड प्रश्नबैंक से प्रत्येक परीक्षार्थी को अलग, किंतु समान कठिनाई स्तर वाला प्रश्नपत्र मिलता है और परीक्षा पूरे वर्ष आयोजित की जाती है। इसी प्रकार, सैट वर्ष 2024 से पूरी तरह डिजिटल-एडेप्टिव हो चुकी है। इसमें दो परीक्षार्थियों के प्रश्न एक जैसे नहीं होते, इसलिए %पेपर लीक% की गुंजाइश ही नहीं रहती। ऐसे परीक्षा केंद्रों पर बायोमीट्रिक सत्यापन और %लाक्ड-डाउन% टर्मिनल होते हैं, जिन पर कोई बाहरी साफ्टवेयर चल ही नहीं सकता।

ब्रिटेन की यूकैट भी कंप्यूटर आधारित परीक्षा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह रटे हुए ज्ञान के बजाय अभ्यर्थी की निर्णय-क्षमता का मूल्यांकन करती है। अपने देश की बात करें तो कैट परीक्षा भी वर्षों से कंप्यूटर आधारित, बहु-पाली प्रणाली के तहत सफलतापूर्वक आयोजित होती आ रही है और उसमें किसी बड़े स्तर की सेंधमारी देखने को नहीं मिली है। अर्थात समाधान का रास्ता हमारे सामने है और वह कोई अबूझ भी नहीं।

हमारी परीक्षाएं प्रतिभा नहीं, बल्कि स्मरण-शक्ति का आकलन करती हैं। जो परीक्षा देश के भावी डाक्टरों का चयन करती है, वह केवल यह देखती है कि अभ्यर्थी ने जीव-विज्ञान कितना रटा है। जबकि इसकी परख बोर्ड में पहले ही हो चुकी होती है। नीट परीक्षा यह नहीं परखती कि अभ्यर्थी में मरीज का दर्द समझने की संवेदना, तेजी से सीखने की क्षमता और दबाव की स्थिति में सही निर्णय लेने का विवेक है या नहीं। इसी रटंत प्रणाली ने 58 हजार करोड़ रुपये के कोचिंग उद्योग को जन्म दिया है, जिसके लिए अनेक माता-पिता कर्ज तक लेने को विवश हो जाते हैं। %एक दिन का जुआ% आज भी यथावत बना हुआ है। केवल स्क्रीन पर परीक्षा आयोजित कर देने से इनमें से कोई भी समस्या स्वत: समाप्त नहीं हो जाएगी।

सबसे पहले सीबीटी को एडेप्टिव बनाया जाए। इसके लिए एक राष्ट्रीय एन्क्रिप्टेड प्रश्नबैंक तैयार किया जाए और प्रत्येक विद्यार्थी को अलग, किंतु समतुल्य कठिनाई स्तर वाला प्रश्नपत्र मिले, जो परीक्षा शुरू होते ही परीक्षा केंद्र के टर्मिनल पर तैयार हो। इसके साथ ही प्रत्येक केंद्र का स्वतंत्र सुरक्षा आडिट, बायोमीट्रिक सत्यापन तथा रिमोट एक्सेस पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए। गांवों और कस्बों तक परीक्षा केंद्रों का व्यापक नेटवर्क स्थापित हो तथा नि:शुल्क माक परीक्षाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि डिजिटल खाई किसी ग्रामीण प्रतिभा को निगल न सके।

प्रत्येक बड़ी परीक्षा वर्ष में दो या तीन बार आयोजित हो और अभ्यर्थी का सर्वश्रेष्ठ स्कोर ही मान्य माना जाए। इससे प्रश्नपत्र लीक का काला बाजार खत्म हो जाएगा। डाक्टरों के चयन के लिए संवेदना और निर्णय-क्षमता का आकलन करने वाले परिदृश्य-आधारित प्रश्न तथा साक्षात्कार जोड़े जाएं। सिविल सेवा परीक्षा में भी तथ्य-स्मरण पर निर्भरता घटे और केस-स्टडी आधारित प्रश्न बढ़ाए जाएं। कुछ प्रश्न ओपन-बुक भी हों। जो परीक्षा रटने की नहीं, बल्कि सोचने और समझने की होगी, उसका प्रश्नपत्र लीक होने पर भी नकल करने वालों को कोई विशेष लाभ नहीं मिलेगा और रटवाने पर आधारित कोचिंग उद्योग भी सिमटने लगेगा।

वर्ष 2024 का सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 10 वर्ष तक के कारावास और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रविधान करता है। आवश्यकता उसके कठोर और निष्पक्ष क्रियान्वयन की है। प्रत्येक परीक्षा से पहले साफ्टवेयर का स्वतंत्र तकनीकी आडिट कराया जाए तथा मूल्यांकन में डबल-ब्लाइंड आन-स्क्रीन जांच की व्यवस्था हो, जिसमें एआइ जोड़ संबंधी त्रुटियों और छूटे हुए उत्तरों की पहचान करने में सहायता करे। आज का भारत बेहतर शिक्षा, विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था और रटंत-आधारित परीक्षा तंत्र से मुक्ति की मांग कर रहा है।

स्वास्थ्य समाचार

सौंफ और इलायची से आपको मिलते हैं कई फायदे

इलायची और सौंफ इन दोनों को ही आपने अपने मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए लोगों को खाते देखा होगा। लेकिन आपको बता दें कि इन दोनों का आपकी सेहत पर गहरा असर पड़ता है। ये दोनों ही आपको उच्चतम स्वास्थ्य प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सौंफ के अंदर पोटैशियन, आयरन, कैल्शियम व अन्य कई तत्व पाए जाते हैं। वहीं इलायची कैल्शियम, मैग्निशियम, पोटैशियम की मात्रा पाई जाती है।

पेट संबंधी रोगों को दूर करने में सहायक

आपको बता दें कि सौंफ और इलायची को पानी में उबालकर पीने से आपको पेट संबंधी रोगों में फायदा मिलता है। जिन लोगों को कब्ज, गैस, भूख न लगना, जी मिचलाना व पेट में दर्द और पेट में ऐंठन की समस्या होती है उनके लिए सौंफ व इलायची का पानी खासकर लाभकारी होता है।

वजन को तेजी से करें कंट्रोल

मोटापे की समस्या में आप सौंफ व इलायची की चाय पी सकते हैं। इस चाय से आप अपने वजन को कुछ ही दिनों में कंट्रोल कर लेंगे। दरअसल सौंफ में फाइबर व इलायची में एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर से फैट कम करता है। सुबह उठकर आप इन दोनों को मिलाकर चाय पी सकते हैं।

पीरियड्स के दौरान आराम मिलता है

सौंफ व इलायची में विटामिन, आयरन और पोटैशियम पाए जाते हैं। महिलाओं में पीरियड्स के अनियमित होने की समस्या को ये ठीक करता हैं। इसके साथ ही पीरियड्स के समय होने वाले दर्द को भी कम करने में मददगार होता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

सौंफ और इलायची के पानी में ऐसे कई तत्व होते हैं जो आपकी आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं। सौंफ व इलायची की चाय पीने से आपको आंखों में जलन नहीं महसूस होती है। साथ ही ये आंखों की रोशनी को भी बेहतर करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है बेहतर

नियमित रूप से सौंफ व इलायची का पानी पीने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी की इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। इसकी वजह से आप सर्दियों में गले दर्द, सर्दी जुकाम, बुखार, खांसी आदि बीमारियों की चपेट में नहीं आते हैं। इससे आपको इंफेक्शन होने का खतरा भी कम होता है।

कैसे पीएं सौंफ व इलायची का पानी

सौंफ व इलायची के पानी को आप दो तरह से पी सकते हैं। एक तो आप सौंफ व इलायची को पानी में डालकर रात भर रख दें। इसके बाद आप इस पानी का सेवन कर सकते हैं।

तलने के बजाय उबालकर खाएं मूंगफली सेहत को मिलेंगे यह जबरदस्त फायदे

मूंगफली खाना लगभग सबको पसंद होता है। सर्दियों के मौसम में मूंगफली खाने का मजा ही अलग है। आपने भुनी या तली हुई मूंगफली तो जरूर खाई होगी। लेकिन, क्या आपने कभी मूंगफली को उबालकर खाया है? उबली हुई मूंगफली न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। इमसें प्रोटीन, नैचुरल शुगर, आयरन, फोलेट, कैल्शियम और जिंक जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। अमेरिकन केमिकल सोसायटी के रिसर्च के मुताबिक, मूंगफली को उबालकर खाने से इसमें मौजूद पोषक तत्वों के फायदे 4 गुना और बढ़ जाते हैं। उबली हुई मूंगफली को आप स्नैक्स के तौर पर खा सकते हैं या सुबह के नाश्ते में इसका सेवन कर सकते हैं। मूंगफली को उबालकर खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं।

वेट लॉस में मददगार : मूंगफली को उबालकर खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो उबली हुई मूंगफली खा सकते हैं। दरअसल, उबली

हुई मूंगफली में फाइबर काफी मात्रा में मौजूद होता है। इससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी कम होती है। इसके साथ ही उबली हुई मूंगफली खाने से आंतों की सफाई होती है।

जोड़ों में दर्द से राहत : उबली हुई मूंगफली को गुड़ के साथ खाने से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। मूंगफली और गुड़ में कैल्शियम होता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती है। मूंगफली को उबालकर खाने से जोड़ों और हड्डियों में दर्द की शिकायत दूर होती है। अर्थराइटिस के मरीजों के लिए उबली मूंगफली का सेवन काफी फायदेमंद होता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए : उबली हुई मूंगफली का सेवन हमारी आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है। मूंगफली को उबालकर खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। दरअसल, मूंगफली में विटामिन ए और विटामिन बी6 होता है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। सर्दियों में सुबह उबली हुई मूंगफली खाएं, इससे आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी।

दिल को स्वस्थ रखे : उबली मूंगफली का सेवन हमारे हृदय के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। मूंगफली को उबालने से उसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ जाती है। उबली मूंगफली में पॉलीफेनॉलिक एंटीऑक्सिडेंट और रेस्वेराट्रॉल होता है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मददगार है। मूंगफली को उबालकर खाने से शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड ज्यादा बनने लगता है, जिससे हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

शरीर में खून की कमी नहीं होती : उबली हुई मूंगफली खाने से एनीमिया की शिकायत दूर होती है। दरअसल, मूंगफली में आयरन काफी मात्रा में होता, जो शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। मूंगफली को उबालकर खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है। इसके साथ ही, मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को ऊर्जा मिलती है। इससे व्यक्ति दिनभर एनर्जेटिक महसूस करता है।

खुजली से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं यह घरेलू उपाय

खुजली कई बार व्यक्ति को काफी परेशान कर देती हैं। एक बार खुजली होनी शुरू हो जाएं, तो आसानी से बंद नहीं होती हैं। कई बार खुजली की परेशानी होने पर लोग शर्मिंदगी की वजह से कई बार खुजली भी नहीं कर पाते हैं। कई बार ज्यादा खुजली होने के कारण रैशेज की समस्या से हो सकती हैं। ऐसे में खुजली की समस्या को दूर करने के लिए कई लोग दवाइयों का सेवन शुरू कर देते हैं। कई बार ये दवाइयां शरीर के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

एप्पल साइडर विनेगर : एप्पल साइडर विनेगर शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल करने के लिए एक कप गुनगुने पानी में एक चम्मच एप्पल साइडर विनेगर को मिलाएं। अब रूई की सहायता से इस मिश्रण को प्रभावित एरिया पर लगाएं। उसके 5 मिनट बाद उस एरिया को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

नारियल का तेल : नारियल का तेल शरीर के लिए बहुत हेल्दी होता है। इसे शरीर पर लगाने से स्किन को

पोषण मिलने के साथ से स्किन चमकदार भी बनती है। खुजली होने पर नारियल का तेल इस्तेमाल करने के लिए नारियल के तेल को हल्का सा गर्म कर लें। अब इस तेल को खुजली वाली जगह पर इसे लगा लें। ऐसा करने से खुजली में आराम मिलेगा।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा जेल स्किन संबंधी परेशानियों को दूर करके स्किन को हेल्दी बनाने में मदद करता हैं। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने के लिए खुजली वाली जगह पर एलोवेरा जेल को लगाएं। आधे घंटे बाद जगह को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ऐसा करने से स्किन को पोषण मिलने के साथ इंफेक्शन दूर करने में मदद मिलेगी।

नीम : नीम शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें पाए जाने वाला एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण खुजली दूर करने के साथ रैशेज की समस्या को भी दूर करेंगे। नीम का इस्तेमाल करने के लिए इसकी पत्तियों को पीस कर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को खुजली वाली जगह पर 5 से 10 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें।

नींबू : नींबू स्किन की खुजली को दूर करने में मदद करता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन संबंधी परेशानियों को दूर करता हैं। खुजली को दूर करने के लिए नींबू के रस का इस्तेमाल करने के लिए एक नींबू के रस को कटोरी में निकाल लें। अब इस रस को रूई की मदद से प्रभावित जगह पर लगाएं। उसके बाद स्किन को 5 मिनट बाद नॉर्मल पानी से वॉश कर लें।

आज का राशिफल

मेष

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृष

चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

मिथुन

किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

कर्क

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

कन्या

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

तुला

शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

धनु

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें।

मकर

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कुंभ

शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

राजस्थान गौरव सम्मान से 31 विभूतियां अलंकृत

निसं

जयपुर (नवयत्न)। संस्कृति युवा संस्था की ओर से गुरुवार को होटल आईटीसी राजपूताना शेराटन में 31वें राजस्थान गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, उद्योग, सामाजिक सेवा, न्याय, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रदेश की 31 प्रतिष्ठित विभूतियों को राजस्थान गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज का दायित्व है।

संस्कृति युवा संस्था पिछले 31 वर्षों से राजस्थान की प्रतिभाओं को सम्मानित कर प्रेरणादायी कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संस्था के अध्यक्ष पं सुरेश मिश्रा ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देता है। मुख्य संरक्षक एडवोकेट एचसी गणेशिया ने संस्था के सांस्कृतिक और युवा जागरण से जुड़े प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संयोजक सौम्यता मिश्रा ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था पिछले 16 वर्षों से देश की सबसे बड़ी मैराथन का आयोजन कर रही है, जिसमें इस वर्ष 1.25 लाख धावकों ने भाग लेकर रिकॉर्ड बनाया। संरक्षक गोविन्द पारीक ने बताया कि सम्मान चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है।

समारोह में स्थानीय स्वशासन विभाग के सचिव रवि जैन, विधायक एवं पूर्व डीजीपी डॉ राजेश कुमार सुरोलिया, मेजर नव्या शेखावत, आईएएस जितेंद्र डूडी, कमर-उल-जमान चौधरी, वीजीयू के सीईओ ओंकार बागड़िया, जयपुर ग्रेटर नगर निगम के डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट, वरिष्ठ अधिवक्ता अजय शुक्ला, व्यापार महासंघ अध्यक्ष सुभाष गोयल सहित प्रशासन, चिकित्सा, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक सेवा से जुड़ी कुल 31 विभूतियों को स्मृति चिन्हए प्रशस्ति पत्र और दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। संस्था पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अंत में गोविन्द पारीक ने आभार व्यक्त किया।

सावन की फुहारों के बीच कल सजेगा लहरिया-2026

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। सावन की हरियाली, राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति, रंग-बिरंगे लहरिया परिधान और महिलाओं का उल्लास इन सभी का अनूठा संगम शनिवार को देखने को मिलेगा। स्त्री शक्ति समूह की ओर से एक अगस्त शनिवार को शाम 4:30 बजे से झुंझुनू जिला मुख्यालय स्थित जमुना रिसोर्ट में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम लहरिया-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य कार्यक्रम के मुख्य स्पॉन्सर आलम ज्वैलर्स एवं सहयोगी के रूप में अभिनंदन गारमेंट्स हैं। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और आयोजन समिति इसे ऐतिहासिक व यादगार बनाने में जुटी है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे पारिवारिक व्यस्तताओं से समय निकालकर अपनी संस्कृति, परंपराओं और आपसी आत्मीयता का उत्सव मना सकें। कार्यक्रम में महिलाएं केवल लहरिया साड़ी ही नहीं बल्कि लहरिया लहंगा-चुन्नी, सूट व अन्य पारंपरिक परिधानों में शामिल होंगी। करीब 3 से 4 घंटे तक चलने वाले इस उत्सव में जयपुर के प्रसिद्ध डीजे की धुनों पर महिलाएं जमकर झूमेंगी। आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण फ्लोर डांस इन लहरिया रहेगा। जहां महिलाएं सामूहिक रूप से नृत्य कर सावन के उत्साह को और बढ़ाएगी। इसके अलावा कई रोचक गतिविधियां और फन गेम्स भी आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति ने इस बार नई नवेली बहुओं और सावन में पीहर आई बेटियों के लिए विशेष सरप्राइज मोमेंट्स तैयार किए हैं। साथ ही परिसर में आकर्षक पारंपरिक झूले, सावन थीम पर बना विशेष सेल्फी पॉइंट, स्वादिष्ट व्यंजनों से सजा फूड कॉर्नर महिलाओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेंगे।

तैयारियों में जुटी आयोजन समिति

कार्यक्रम की तैयारियों में डॉ मीना शेखावत, सुमन मील, ललित राठौड़, रविता झाझड़िया, डॉ शालू टीबड़ा, सरोज कंवर बड़ाऊ और सुनीता टीबड़ा सहित स्त्री शक्ति समूह की अनेक सदस्य सक्रियता से जुड़ी हुई हैं। समिति का कहना है कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित न रहकर सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम है। लहरिया-2026 को लेकर झुंझुनूं शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में भी भारी उत्साह है।

सतरंगी सावन लहरिया उत्सव आठ अगस्त को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सावन की फुहारों और राजस्थानी संस्कृति के रंगों से सराबोर सतरंगी सावन लहरिया उत्सव का आयोजन आठ अगस्त शनिवार को दोपहर 1 बजे से राजा पार्क स्थित होटल क्लिक में किया जाएगा। नृत्यम फाउंडेशन और नेशनल ब्यूटी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाओं को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। आयोजिका काजल सैनी ने बताया कि सावन की पारंपरिक थीम पर आधारित इस उत्सव में सावन क्वीन, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस और बेस्ट मेहंदी जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विभिन्न आयु वर्ग की प्रतिभागी अपनी कला और व्यक्तित्व का प्रदर्शन करेंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के साथ आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यस्त जीवनशैली में महिलाओं को स्वयं के लिए समय कम मिल पाता है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन उन्हें तनाव से दूर होकर अपनी रचनात्मक क्षमता निखारनेए आत्मविश्वास बढ़ाने और सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने महिलाओं से पारंपरिक लहरिया परिधान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर सावन उत्सव का आनंद लेने की अपील की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शर्मा जी ज्वैलरी वाले तथा ज्वेलरी डिजाइनर प्रज्ञा टिबरीवाल का विशेष सहयोग रहेगा। उनकी ओर से प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक उपहार दिए जाएंगे। नेशनल ब्यूटी एसोसिएशन की संस्थापक शीलू सैनी ने बताया कि आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। संस्था की ओर से प्रतिभागी महिलाओं को डांस की विशेष प्रैक्टिस भी करवाई जा रही है, ताकि कार्यक्रम को आकर्षक बनाया जा सके। सैनी बताया कि इस आयोजन में सावन की लोक संस्कृति, पारंपरिक लहरिया परिधान, लोक संगीत, नृत्य और उत्सव की रंगत एक ही मंच पर देखने को मिलेगी, जो महिलाओं के लिए यादगार सांस्कृतिक अनुभव साबित होगा।

एक अगस्त को गूंजेंगे अनुराधा पौडवाल के कृष्ण भजन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गुलाबी नगरी की शाम एक अगस्त को कृष्ण भक्ति के रंग में रंगने जा रही है। गुप्त वृंदावन धाम की ओर से मानसरोवर स्थित दीप स्मृति ऑडिटोरियम में पद्मश्री एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका अनुराधा पौडवाल का लाइव कृष्ण भजन कॉन्सर्ट आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में वे अपने लोकप्रिय कृष्ण भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तिमय माहौल बनाएंगी। भजन क्वीन के नाम से प्रसिद्ध अनुराधा पौडवाल चार दशक से अधिक समय से संगीत जगत में सक्रिय हैं। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में 9 हजार से अधिक गीत गाए हैं। बॉलीवुड में लंबी पारी के बाद उन्होंने स्वयं को भक्ति संगीत के लिए समर्पित किया और अब तक सैकड़ों भक्ति एल्बम जारी कर चुकी हैं। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास के अनुसार कॉन्सर्ट को लेकर जयपुर वासियों में खासा उत्साह है। कार्यक्रम में अनुराधा पौडवाल अपनी सुरीली प्रस्तुति से श्रद्धालुओं और संगीत प्रेमियों को कृष्ण भक्ति के रस में सराबोर करेंगी।

एक अगस्त को मुहाना थाने में होगी पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल शनिवार, 1 अगस्त को पुलिस थाना मुहाना में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगी। इस दौरान मानसरोवर सर्किल के मुहाना, शिप्रापथ, मानसरोवर, पत्रकार कॉलोनी और नारायण विहार थाना क्षेत्रों के परिवादियों की शिकायतें सुनी जाएंगी। पुलिस प्रशासन के अनुसार जनसुनवाई का उद्देश्य क्षेत्रवासियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान करना तथा पुलिस-जन संवाद को और अधिक प्रभावी बनाना है। उल्लेखनीय है कि जयपुर पुलिस कमिश्नर मित्तल द्वारा पूर्व में एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा, बस्सी, शिवदासपुरा, चौमूं, आमेर, रामगंज, चित्रकूट, मालवीय नगर, करधनी, प्रताप नगर एवं जामडोली में भी जनसुनवाई आयोजित कर आमजन को राहत प्रदान की जा चुकी है।

संस्कार केंद्रों का संयुक्त वार्षिकोत्सव संपन्न, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। गाडोदिया आदर्श विद्या मंदिर द्वारा संचालित बाबा रामदेव सरस्वती संस्कार केंद्र प्राथमिक, डॉ. भीमराव अंबेडकर सरस्वती संस्कार केंद्र उच्च प्राथमिक एवं गंगा माता सरस्वती संस्कार केंद्र शिशु वाटिका का संयुक्त वार्षिकोत्सव गंगा माता मंदिर चैक, रेगर बस्ती में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। शुभारंभ माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संस्कार केंद्र प्रमुख महिपाल रहे, जबकि अध्यक्षता स्थानीय समिति अध्यक्ष भानीराम प्रजापत ने की। मंचासीन अतिथियों में संस्कार केंद्र समिति अध्यक्ष जुगराज बाफना, बाबूलाल कुलदीप, हनुमान प्रसाद प्रजापत एवं त्रिलोकचंद मौजूद रहे। संस्कार केंद्र के नन्हे.मुन्ने बालक-बालिकाओं ने मनमोहक

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। जिला सह सचिव मनीष बेदी ने संस्कार केंद्रों की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए उनके उद्देश्यों एवं कार्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता महिपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कार केंद्र विद्या भारती का अभिन्न अंग हैं। नगर परिषद के पूर्व उप सभापति बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि यह संस्कार केंद्र पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में संचालित होकर बच्चों को उत्तम संस्कार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रों के संचालन से बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। तथा पूरे मोहल्ले का वातावरण भी संस्कारमय हुआ है। उन्होंने विद्यालय परिवार को आश्वस्त किया कि मोहल्लेवासियों का सहयोग सदैव संस्कार केंद्रों के साथ रहेगा। कार्यक्रम का संचालन भूमि भार्गव ने किया। इस अवसर पर राजेंद्र पथानिया, भारत भूषण प्रजापत, मनोज दाधीच, अभिषेक प्रजापत, पवन कुमार पारीक, अमित कुमार मूंदडा, शिवरतन शर्मा, विशाल जैन, दीपा टेलर, जयनारायण प्रजापत, राजकुमारी शर्मा, रामकरण पारीक, पुष्पा कुलदीप, वीणा भोजक सहित विद्यालय परिवार एवं सैकडों मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

जटिया अस्पताल में फिजिशियन की सेवा से ओपीडी बढ़ी

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ के सेठ रामगोपाल जटिया अस्पताल में जब से फिजिशियन की सेवा शुरू हुई है तब से ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ रही है। जुलाई माह के 29 तारीख तक सात हजार 500 मरीज इलाज करवाने आ चुके हैं। इसमें 200 मरीजों को भर्ती रखकर इलाज किया और 27 महिलाओं की डिलीवरी करवाई गई। नि:शुल्क जांच का दायरा बढ़ने से ओपीडी में प्रतिदिन 60 मरीज जांच का नि:शुल्क लाभ ले रहे हैं। एक माह में थाइराइड के 400 और गठिया के 50 मरीजों ने जांच करवाई है। अस्पताल में मरीजों की संख्या तो बढ़ रही है लेकिन चिकित्सकों और जीएनएमो की संख्या घट रही है। अस्पताल में 16 जीएएनएम कार्यरत हैं जिनमें से तीन जीएएनएमो को डेपूटेशन पर जिला मुख्यालय पर लगा दिया हैं इससे चिकित्सा व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। बीपी, सुगर की जांच कार्य में तीन कर्मचारियों की ड्यूटी है लेकिन इसमें से एक कर्मचारी को सीएमएचओ कार्यालय में लगा दिया है। इसी प्रकार अस्पताल में आठ चिकित्सक है इसमें एक चिकित्सक को बीकानेर के अस्पताल में सोनोग्राफी सेंटर में भेज दिया, इससे एक चिकित्सक का पद रिक्त हो गया है। कस्बे के लोगों ने चिकित्सा विभाग से मांग करते हुए बताया है कि जो स्टाफ यहां लगा हुआ है उसको डेपूटेशन पर लगाकर हमारे अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को प्रभावित नहीं करे। इनका कहना है की स्टाफ बढ़ाने की बजाय घटायें नहीं इस पर रोक लगाई जाए।

राजस्थान पुलिस एसआई भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा तीन अगस्त से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान लोक सेवा आयोग आरपीएससी की ओर से आयोजित उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 के लिखित परीक्षा परिणाम के बाद भर्ती प्रक्रिया का अगला चरण शुरू होने जा रहा है। लिखित परीक्षा में सफल 20,798 अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा पीईटी 3 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक प्रदेश के आठ रेंज मुख्यालयों पर आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रवेश-पत्र जल्द जारी किए जाएंगे। उप महानिरीक्षक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड मनोज कुमार ने बताया कि आरपीएससी ने लिखित परीक्षा 5 और 6 अप्रैल 2026 को आयोजित की थी, जिसका परिणाम 19 जून 2026 को घोषित किया गया। अब पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित बोर्ड लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित करेगा। उन्होंने बताया कि पीईटी जयपुर दो परीक्षा केंद्र, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, भरतपुर, बीकानेर और अजमेर रेंज मुख्यालयों पर होगी। सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। परीक्षा के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। मनोज कुमार ने बताया कि प्रवेश-पत्र शीघ्र जारी किए जाएंगे, जिन्हें अभ्यर्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश-पत्र के साथ फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे महानिदेशक पुलिस, राजस्थान के स्थायी आदेश संख्या-10/2025 में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं शारीरिक दक्षता मानकों के अनुरूप तैयारी करें। पुलिस भर्ती बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी। शारीरिक दक्षता परीक्षा से संबंधित सभी सूचनाएं राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट तथा प्रमुख समाचार पत्रों के माध्यम से जारी की जाएंगी।

पुलिस दल की गाड़ी को टक्कर मारने का आरोप, 2 पुलिसकर्मी घायल

बोलेरो कैंपर में सवार 3 लोग भी घायल, एक आरोपी अरेस्ट, कैंपर से देशी कट्टा बरामद

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर पुलिस टीम को जान से मारने की नियत से पुलिस वाहन को टक्कर मारने वाले आरोपियों में से कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वाहन तथा वाहन में से एक देशी कट्टा भी बरामद किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम. आईपीएस ने बताया कि जिला में सगठित अपराध की रोकथाम व संदिग्धो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में बुधवार की शाम को पुलिस थाना सदर सुजानगढ से सब इंस्पेक्टर गीतारानी के सांयकालीन गश्त हेतु रवाना होकर गोपालपुरा रोड पहुंचने पर सड़क के किनारे एक बिना नम्बरी बोलेरो कैम्पर गाडी मिली, जिसमें 4 संदिग्ध व्यक्ति बैठे थे, जो पुलिस की गाडी को देखकर वाहन लेकर गेगा हाइवे छापर की तरफ भागने लगे। सामने पुलिस थाना सुजानगढ की नाकाबंदी को देखकर उक्त संदिग्ध व्यक्ति बोलेरो कैम्पर गाड़ी वापस घुमाई एवं पुलिस

थाना सदर सुजानगढ की पीछा कर रही पुलिस टीम को सामने से आते हुये देखकर पुलिस टीम मय वाहन को जान से मारने के इरादे से टक्कर मारी, जिससे सरकारी बोलेरो गाडी क्षतिग्रस्त हो गयी, उक्त बोलेरो कैम्पर को चैक किया गया तो वाहन के अन्दर 5 मोबाईल फोन, 1 नम्बर प्लेट तथा एक देशी कटटा मिला। उक्त घटना के दौरान पुलिस टीम के गीतारानी, चालक देवाराम को चोटे आयी। उक्त घटना के सम्बन्ध में गीतारानी उनि द्वारा पुलिस थाना सुजानगढ पर एक रिपोर्ट पेश कर मुकदमा दर्ज करवाया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानगढ सतपाल सिंह, आरपीएस व उप अधीक्षक दरजाराम बोस के निर्देशन में थानाधिकारी पुलिस थाना सुजानगढ सीआई मुकेश चन्द ने संदिग्ध राकेश पुत्र बाबुलाल, निवासी कटराथल, पीएस दादीया जिला सीकर को गिरफतार किया। इस मामले में अन्य आरोपी उपचाराधीन हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर पप्पूराम, सब इंस्पेक्टर गीता रानी, कांस्टेबल रतनलालए कांस्टेबल सुभाष शामिल हैं। दूसरी ओर पुलिस दल को टक्कर मारने वाली बोलेरो कैंपर गाड़ी भी इस हादसे में पलट गई। जिससे इसमें सवार चारों लोग गाड़ी के नीचे दब गए, जिनको पुलिस की सहायता से निकाला जाकर राजकीय बगड़िया अस्पताल लाया गया। इन घायलों में कमलेश मूंडवाड़ा, अशोक मीणा, निवासी सांगरवा, रमन निवासी चंदपुरा के नाम शामिल हैं। सब इंस्पेक्टर गीता रानी द्वारा दर्ज करवाये गये मामले में इन तीनों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस का आरोप है कि चोरों ने जान बूझकर पुलिस टीम के वाहन को टक्कर मारी। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विश्व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग दिवस पर जागरूकता पोस्टर का विमोचन

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। विश्व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग दिवस के अवसर पर जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन, राजस्थान महिला कल्याण मंडल, चाचियावास-अजमेर एवं राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में झुंझुनू में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत द्वारा मानव तस्करी रोकथाम संबंधी जागरूकता पोस्टर के विमोचन से हुई। इस अवसर पर राजावत ने कहा कि मानव तस्करी मानवता के

विरुद्ध एक जघन्य अपराध है, जिसकी रोकथाम के लिए पुलिस, प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं तथा आमजन की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके और बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो। पोस्टर विमोचन के पश्चात झुंझुनू रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों एवं आमजन को मानव तस्करी के विभिन्न स्वरूपों, उसके दुष्परिणामों तथा बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर मानव तस्करी के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में एएचटीयू से एएसआई सुरेश, कांस्टेबल अनिल, रेलवे स्टेशन अधीक्षक नरेन्द्र गहलोत, आरपीएफ इकाई प्रभारी राजीव राव तथा राजस्थान महिला कल्याण मंडल की ओर से चेतना शर्मा जिला समन्वयक, टीना चौरसिया, अदिति मीणा एवं विनोद उपस्थित रहे।

मृत्यु के बाद भी किसी की दुनिया रोशन करेंगी वेदप्रकाश भाम्बू की आंखे

सुजानगढ़ (नवयत्न)। प्रगति नगर के निवासी 57 वर्षीय वेदप्रकाश भाम्बू का का निधन हो चुका है, लेकिन उनकी आंखे फिर भी दुनिया देखती रहेंगी। फर्क सिफइतना है। कि अब शरीर दूसरा होगा, जिसमें ये आंखे रोशन होंगी। साथ ही रोशन होगी एक और जिन्दगी। वेदप्रकाश भाम्बू के परिवार ने मिशाल पेश करते हुए नैत्रदान करवाया है। जिसके चलते यह दु:ख की घड़ी की दूसरे व्यक्ति के लिए रोशनी देकर जायेगी। लॉयन्स क्लब के एमजेएफकमल तापड़िया ने बताया कि लायंस क्लब लगातार नैत्रदान के प्रति

लोगों को जागरूक कर रहा है और पंजीयन भी हमारे नैत्र जांच शिविर में करवाये जाते हैं। वेदप्रकाश भाम्बू की पत्नी लीलावती, पिता छोटूराम, माता फुसीदेवी, भाई नरेशकुमार भाम्बू, विद्याधर, राजेश व पुत्रियां वन्दना, खुशबू ने नेत्रदान कराया। परिजनों द्वारा सहमति देने पर लायंस क्लब के कमल तापड़िया ने नेत्र संग्रह केन्द्र प्राणनाथ हॉस्पिटल, सरदारशहर के समन्वयक गणेशदास स्वामी से संपर्क किया। उन्होंने तुरंत ही सरदारशहर से अपनी टीम भेजी। नेत्र संग्रह केन्द्र प्राणनाथ हॉस्पीटल सरदारशहर के तक्नीशियन भंवरलाल प्रजापत एवं सहयोगी दिनेश शर्मा ने रात्रि में सुजानमल बगड़िया राजकीय उप जिला अस्पताल में नर्सिंगकर्मी सुभाष चोपड़ा, प्रकाश चोपड़ा के सहयोग से नेत्र संग्रह किया। लायन्स क्लब के अध्यक्ष एडवोकेट रजनीकान्त सोनी, एमजेएफलायन कमल तापड़िया ने प्रेरक के रूप में भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. महेश महला, रणजीत भाम्बू, टीकूराम पूनिया एवं परिवारजन उपस्थित थे।

इस पुनीत कार्य के लिए लायंस क्लब के जोन चेयरपर्सन प्रशांत पारीक, अध्यक्ष एडवोकेट रजनीकांत सोनी, सचिव देवेंद्र बेदी ने परिजनों का आभार व्यक्त किया एवं इस कार्य को सभी के लिए बहुत ही प्रेरणादायक बताया।

आज होगा रफी नाईट का आयोजन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। मेगा हाईवे स्थित बाल भारती इंटरनेशनल में शुक्रवार की शाम को संगीत साधना संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में रफी नाईट का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संगीत साधना संस्थान के सचिव मुकेश रावतानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में इस बार कुछ नवाचार किया गया है, जिसके तहत बच्चों के साथ रफी साहब को गीतों के द्वारा स्वरांजलि एवं रफीक साहब के जीवन से जुडी प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम रखा गया है। इस प्रश्नोत्तरी में सही उत्तर देने वाले लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा। देश के महान कलाकार रफी साहब के बारे में बच्चों को अवगत करवाने का और उनके द्वारा गाए हुए गीतों के द्वारा श्रद्धांजलि देने के लिए यह कार्यक्रम होगा। संस्था के संचालक बुधाराम खिलेरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों की अधिक भागीदारी हो जिसके लिए संगीत साधना संस्थान के अध्यक्ष शंकर महेश्वरी बच्चों को नियमित अभ्यास करवा रहे हैं। रावतानी ने बताया कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब सुजानगढ़ के अध्यक्ष रजनीकांत सोनी करेंगे।

विश्व में ही नहीं भारत के भी हैं यह अजूबे

हमारा देश भारत अपनी विविधता के लिए जाना जाता है। यहां कई राज्य हैं और हर राज्य की अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। हर राज्य में कई पर्यटन स्थल भी हैं, जो देखने लायक हैं। इनमें से कई की तुलना दुनिया के मशहूर पर्यटन स्थलों से की जाती है। ज्यादातर पर्यटन स्थल आश्चर्य से भरपूर हैं, जिन्हें देखने के लिए भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर से लोग आते हैं।

स्वर्ण मंदिर, अमृतसर

अमृतसर में बने स्वर्ण मंदिर को श्री हरमंदिर साहिब या गोल्डन टेंपल के नाम से भी जाना जाता है। सिख समुदाय के लोगों के लिए यह एक पवित्र पूजा स्थल है। स्वर्ण मंदिर का निर्माण सन् 1585 से 1604 तक चला। इसे पानी के कुंड के आसपास बनाया गया है। यह भारत के मशहूर गुरुद्वारों में से एक है। इसे पांचवे सिख गुरु गुरु अर्जन द्वारा डिजाइन किया गया था।

हंपी मंदिर, हंपी

हंपी को मंदिरों का शहर कहा जाता है। कहने को यह कर्नाटक के विजयनगर में छोटा सा गांव है। लेकिन दुनियाभर में इस जगह ने अपनी एक अलग पहचान बना ली है। एक तरह से यह जगह प्राचीन हिंदू मंदिरों का एक अनोखा संग्रह हैं। इस शहर की खुदाई करने पर कई भव्य महल, मंदिर और कई बुनियादी ढांचे मिले थे। इसी वजह से 1986 में इस प्राचीन शहर को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल घोषित कर दिया था। इस शहर की अनोखी और असाधारण खूबसूरती दुनियाभर के पर्यटकों को आश्चर्य में डाल देती है।

सूर्य मंदिर, कोणार्क

कोणार्क का सूर्य मंदिर दुनियाभर में अपनी नक्काशी और अद्भुत वास्तुकला के लिए चर्चित है। इसे ब्लैक पैगोडा के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर भगवान सूर्य देव को समर्पित है। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर से श्रद्धालु सूर्यदेव के दर्शन के लिए कोणार्क के सूर्य मंदिर में आते हैं। चंद्रभागा नदी के किनारे गंगा वंश के शासक राजा नरसिम्हा देव प्रथम द्वारा इसका निर्माण 1255 सीई में कराया गया था। कलिंग शैली में अपनी वास्तुकला के लिए यह मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। इस मंदिर में सूर्यदेव रथ पर सवार हैं।

ताजमहल

ताजमहल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। आगरा में स्थित इस प्यार की निशानी को 1653 में मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। बताते हैं कि 20 हजार कारीगरों ने मिलकर इसे बनाया था। ताजमहल का आर्किटेक्चर फारसी और मुगल वास्तुकला से प्रेरित है। इसकी खूबसूरती के कारण यह भारतीय और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है।

नालंदा यूनिवर्सिटी , बिहार

बिहार से 95 किमी दूर नालंदा यूनिवर्सिटी दुनिया की पहली यूनिवर्सिटी के रूप में जानी जाती है। इसकी स्थापना गुप्त काल के दौरान पांचवीं सदी में गुप्त शासक कुमारगुप्त प्रथम ने की थी। लेकिन 1193 में आक्रमण के बाद इसे नष्ट कर दिया गया था। एक समय था जब 8वीं से 12वीं शताब्दी के बीच दुनिया के कई

खजुराहो मंदिर

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो जैन और हिंदू मंदिरों का एक बहुत बड़ा परिसर है। इन सभी स्मारकों का निर्माण 9वीं शताब्दी में चंदेल वंश के राजाओं ने किया था। यह जगह नागर वास्तुकला और कामुक मूर्तियों के के लिए प्रसिद्ध है। 12वीं शताब्दी तक इस जगह पर केवल 85 मंदिर थे, लेकिन 13वीं शताब्दी में इनमें से कुछ को नष्ट कर दिया गया था, अब यहां केवल 20 मंदिर ही बचे हैं। यहां पर दीवारों पर की गई नक्काशी का इतिहास भी बड़ा दिलचस्प है।

मोनोलिथिक गोमतेश्वर स्टैच्यू, श्रवणबेलगोला

श्रवणबेलगोला विश्व की सबसे बड़ी अखंड प्रतिमा के लिए मशहूर है। यहां पर गोमतेश्वर की लगभग 60 फीट की विशाल मूर्ति है। यह मंदिर पहाड़ी की चोटी पर 3347 फीट की ऊंचाई पर बना है। पर्यटकों को पहाड़ी की चोटी तक पहुंचने के लिए करीब 600 सीढ़ियां पार करनी होती हैं। बताते हैं कि इस जगह पर भगवान बाहुबली ने एक साल तक मोक्ष प्राप्त किया था। इस जगह की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय 12 से 14 साल में महा मसक अभिषेक के दौरान होता है। इस आयोजन के दौरान प्रतिमा को गैलेन पानी, दूध और कई प्रकार के चंदन के लेप से नहलाया जाता है।

भारत ही नहीं विश्व के इन देशों में आज भी किया जाता है काला जादू, ध्यान रहे घूमते हुए आप भी न हो जाएं शिकार

काला जादू एक ऐसी चीज़ है, जिससे हर कोई बचकर रहना चाहता है। शायद नाम लेने में भी लोगों को इससे डर लग जाता है। लेकिन भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जहां कला जादू किया जाता है, इसमें असम का मायोंग गांव, तो वहीं वाराणसी के कई घाटों में काला जादू करने की प्रैक्टिस की जाती हैं। लेकिन अगर आप ये सोचते हैं कि ये सब केवल और केवल हमारे देश में ही होता है, तो हमारे हिसाब से आप गलत हैं। दुनिया में ऐसे कई देश हैं, जहां काला जादू आज भी किया जाता है और ये कंट्री ऐसी-वैसी नहीं बल्कि काफी फेमस हैं। अगर आप इन जगहों पर जा रहे हैं, तो ध्यान रखें कहीं आप भी काला जादू न हो जाए।

कैटेमाको, मेक्सिको : मेक्सिको का कैटेमाको खूबसूरत झरनों और बेहद शानदार समुद्र तटों से घिरे हुए हैं, लेकिन यहां एक और चीज़ है जिसकी वजह से ये जगह जानी जाती है और वो है यहां का ब्लैक मैजिक। इसे सबसे ज्यादा पुरुषों जादूगरों द्वारा सबसे ज्यादा किया जाता है। हैरान कर देने वाली बता तो ये है, यहां काला जादू पूरे साल चलता है, हालांकि लोग हमेशा काला जादू करने वालों और दोखाधड़ी करने वाले लोगों के बीच में हमेशा दुविधा में रहते हैं। यहां बड़े-बड़े मेयर भी काला जादू जानते हैं, यही नहीं यहां इसपर 3 दिन इवेंट भी किया जाता है।

हार्ज़ पर्वत, उत्तरी जर्मनी : उत्तरी जर्मनी में मौजूद हार्ज़ पर्वत की सबसे ऊंची चोटी लंबे समय से जादू टोनों से जुड़ी हुई है। कुछ लोगों का कहना है कि यहां काला जादू प्राचीन सैक्सन भगवान वोडेन के बलिदान के साथ जुड़ा हुआ है। यही नहीं, यहां के लोगों के कहना है कि इस चोटी पर हर साल 30 अप्रेल को चुड़ैलें भी आती हैं।

न्यू ऑरलियन्स, यूएसए : न्यू ऑरलियन्स भी अमेरिका में काला जादू का असली घर माना जाता है। यहां एक समय मैरी लावेउ नाम की पुजारिन थीं, जो लोगों की इन सब चीजों में मदद किया करती थीं। आज उनका कब्र आप आसानी से देख सकते हैं, जिसपर लोग लिखकर जाते हैं, ये सोचकर कि वो उनकी मदद करेंगी।

सिकिजोर, फिलीपींस : यहां काला जादू उतारने की परंपरा है। यहां एक हफ्ते फेस्टिवल होता है, जिसमें हर शुक्रवार को यहां काला जादू उतारा जाता है। यहां कई अनुष्ठान और जड़ी-बूटियों के साथ काला जादू उतारने की प्रैक्टिस की जाती है।

फिलीपींस : जादू टोना फिलीपींस में भी काफी आम है, इसे यहां अच्छे और बुरे दोनों के लिए किया जाता है। फिलीपींस में जादू टोना को कुलम कहते हैं और जो लोग इसकी प्रैक्टिस करते हैं उन्हें यहां मंगकुकुलम है। मंगकुकुलम अपने दुश्मनों को नुकसान पहुंचाने के लिए हर तरह का जादू टोना करते हैं, इसमें वूडू गुड़िया के उपयोग के माध्यम से जादू टोना करना काफी आम है। यहां जादू टोना समुदाय की मदद के लिए भी किया जाता है।

सोलो ट्रिप के लिए बेस्ट हैं दुनियाभर के यह खूबसूरत देश

क्या आप सालों से अकेले ट्रेवल करना चाह रही हैं? तो साल आप इस सपने को सच कर सकती हैं। अकेले सफर करने के कई फायदे हैं, इसमें आपके पास अपने हिसाब से और अपनी मर्जी से प्लान बनाने की आजादी होती है।

नीदरलैंड्स : अकेले ट्रेवल करने के लिए नीदरलैंड्स सबसे बेस्ट जगह है। यहां घूमना न सिर्फ आसान है, बल्कि यहां भाषा की भी कोई दिक्कत नहीं होगी। यहां के लोग काफी फ्रेंडली हैं और आपको ठहरने के लि कई होस्टल भी मिल जाएंगे। नीदरलैंड की सैर के लिए अप्रैल का महीना बेस्ट है। एम्सटर्डम की सड़कों पर आप साइकिल से घूम सकती हैं, साथ ही यहां के ट्यूलिप के खेत भी ज़रूर देखें।

ऑस्ट्रिया : अगर आप कला और संस्कृति की चाहने वाली हैं, तो ऑस्ट्रिया आपके लिए परफेक्ट है। आपको यहां अकेले घूमने में भी दिक्कत नहीं आएगी, क्योंकि यहां के लोग गर्मजोशी से मिलते हैं और मददगार हैं। स्पोर्ट्स एडवेंचर के लिए भी यह जगह अच्छी है।

जापान : अगर आप अकेले ट्रिप पर जाना चाह रही हैं, तो जापान खूबसूरत होने के साथ घूमने के लिहाज़ से बेहतरीन भी है। बुलेट ट्रेन्स से लेकर अलग-अलग आइलैंड की सैर तक, यहां देखने के लिए काफी कुछ है। जापान को महिला यात्रियों के लिए दुनिया में सबसे सुरक्षित जगहों में से एक माना जाता है।

न्यूजीलैंड : अगर आप अकेले सफर कर रही हैं और खूब मस्ती भी चाहती हैं, तो आपको न्यूज़ीलैंड को चुनना चाहिए। यहां की हसीन वादियां आपके दिल को खुश कर देंगी। जापान की तरह न्यूज़ीलैंड भी महिलाओं के लिए सुरक्षित देश माना जाता है। यहां के लोग आपको बेवजह परेशान नहीं करेंगे।

स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड जैसी खूबसूरती आपको शायद ही कहीं और देखने को मिलेगी। आपके लिए यहां अकेले सफर करना भी काफी मज़ेदार होगा। अकेले ट्रेवल करने के लिए स्कॉटलैंड सुरक्षित और खूबसूरत देश है।

भारत के इन गांवों में रहते हैं बेहद ही कम लोग, भीड़ से नफरत करने वालों को मनाली नहीं जाना चाहिए

आज तक आप ऐसी जगह घूमें होंगे जहां लोगों की भीड़ ने आपका दिमाग खराब कर दिया होगा। जहां लोग शान्ति-सुकून के लिए घूमने-फिरने जाते हैं, वहीं भीड़-भाड़ सब कुछ छीन लेती है। लेकिन भारत में ऐसी कई जगह हैं, जो ऑफबीट प्लेसेस के रूप में जानी जाती है, जहां लोगों की संख्या बेहद ही कम देखने को मिलती है। शायद, यही ऐसी कुछ जगह हैं, जहां आपको सच में शांति मिल सकती है।

हा अरुणाचल प्रदेश

हा अरुणाचल प्रदेश का एक छोटा आदिवासी गांव है, जिसमें केवल 289 ग्रामीण लोग ही रहते हैं, और यह समुद्र तल से 4000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस गांव का सबसे खास आकर्षण इसकी प्राकृतिक सुंदरता, मेग्ना गुफाएं, पहाड़ और काफी कुछ है। गांव की हरी-भरी हरियाली का आनंद लेने के लिए, शुरुआती सर्दियों के दौरान यहां जा सकते हैं।

कांजी, लेह

समुद्र तल से 12,600 फीट की ऊंचाई पर बसा यह लेह जिले का एक छोटा सा गांव है। आप कारगिल से आसानी से इस स्थान तक पहुंच सकते हैं, और यह उन ट्रेकर्स के लिए स्वर्ग के रूप में काम करता है, जो रंगदुम गोम्पा से गांव तक पहुँचने के लिए ट्रेक करते हैं। कांजी नदी के तट पर स्थित ये जगह, यहां के स्थानीय लोग रोज़ बाज़ार, स्कूल और काम पर जाने के लिए इसे पार करते हैं।

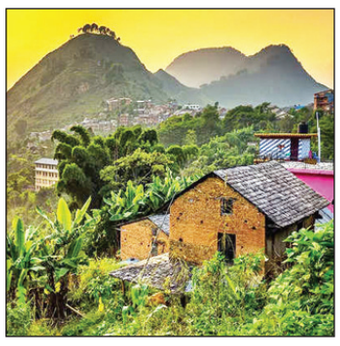

नितोई, नागालैंड

इस आकर्षक छोटे से गांव नागालैंड में आप आसानी से पहुंच सकते हैं। इस जगह का खास आकर्षण है, यहां की प्राकृतिक सुंदरता और कम आबादी, जो 500 से भी कम है। प्रकृति प्रेमियों के लिए ये जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

किब्बर, स्पीति

दुनिया के सबसे ऊंचे गांव के रूप में प्रसिद्ध किब्बर समुद्र तल से लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। बता दें, इस जगह पर 80 से भी कम लोग रहते हैं, यहां के घरों को अनोखी चट्टान से बनाया गया है, जो आपको आमतौर पर काफी जगह देखने को मिल जाएंगे। ये गांव की गोम्पा के करीब स्थित है, और चूंकि यहां कई दिलचस्प त्योहारों का आयोजन होता है, तो ये जगह घूमने लायक भी मानी जाती है।

सांकरी, उत्तरकाशी

अगर आप भीड़ से नफरत करते हैं तो यह छोटा सा गांव आपको अपनी सुंदरता और कम आबादी से लुभाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगा। आपने सांकरी के बारे में ज्यादा नहीं सुना होगा, लेकिन यह जगह काफी ज्यादा प्रसिद्ध है।

गुरुग्राम के पास बसे यह हिल स्टेशन हैं बेहतरीन, वीकेंड पर बनाएं घूमने का प्लान

गुरुग्राम एक छोटी सी जगह है जहां पर काफी ज्यादा चहल-पहल होती है। ऊंची इमारतें और खूबसूरत रेस्तरां से पूर्ण इस जगह पर आपको ज्यादतर यंगस्टर्स मिलेंगे। भीड़-भाड़ वाली इस जगह से दूर अगर आप कहीं जाना चाहते हैं तो आप गुरुग्राम के पास स्थित इन हिल स्टेशन पर जा सकते हैं।

कनातल

उत्तराखंड में कनाटल एक छोटा सा गांव है, जहां घूमने पर आपको एक अलग अनुभव मिलेगा। ये चंबा और मसूरी के मार्ग पर स्थित है। कानातल टेहरी गढ़वाल जिले में स्थित बहुत ही आकर्षक हिल स्टेशन है। गुड़गांव से यहां की दूरी 351 किमी है, ऐसे में यहां पहुंचने में आपको लगभग 9 घंटे की ड्राइव करनी होगी।

नारकंडा

तिब्बत रोड पर स्थित, नारकंडा गुड़गांव के पास सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है। यह शिमला से लगभग 2 घंटे की ड्राइव पर है। नारकंडा पहुंचने का रास्ता बेहद सुंदर नजारों से भरा है। घुमावदार सड़कें आपको उन इलाकों से ले जाती हैं जो रास्ते छोटे गांवों का सुंदर नजारा दिखाते हैं। नारकंडा अपने चेरी ब्लॉसम सीजन और सुंदर सेब के बागों के लिए फेमस। गुड़गांव से यहां की दूरी 454 किमी है, ऐसे में यहां पहुंचने में आपको लगभग 10 घंटे लगेंगे।

तीर्थन वैली

कुल्लू जिले में स्थित तीर्थन वैली घुमक्कड़ों के लिए बेस्ट प्लेस है। पहाड़ों से लेकर जंगलों के बीच छिपी नदी के किनारे की जगहों तक, यह जगह शहर से दूर कुछ समय बिताने के लिए एकदम सही है।गुड़गांव से यहां की दूरी 546 किमी है, ऐसे में यहां पहुंचने में आपको लगभग 11 घंटे 45 मिनट लगेंगे।

नौकुचियाताल

नैनीताल से मात्र 25 किमी दूर, नौकुचियाताल गुड़गांव के पास घूमने के लिए बेहतरीन हिल स्टेशन है। ये छोटा सा गांव अपनी नौ कोनों वाली झील के लिए सबसे फेमस है। इस जगह पर सुबह की सैर लोगों को बेहद पसंद आती है।

बिजली गिरने के बाद टूट कर फिर से जुड़ जाता है यह शिवलिंग, 12 साल में एक बार दिखता है ये नजारा

हिमाचल प्रदेश के सबसे पवित्र स्थानों में से एक बिजली महादेव मंदिर है। जिसे भारत के सबसे प्राचीन मंदिरों में गिना जाता रहा है। खूबसूरत पहाड़ी पर स्थित ये मंदिर पार्वती और ब्यास नदियों के संगम के करीब है, जो भगवान शिव को समर्पित है। 2460 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर का इतिहास काफी रोचक है।

इंटरेस्टिंग है मंदिर की कहानी : ऐसा माना जाता है कि मंदिर का निर्माण कुलंत नामक राक्षस को मारने के बाद हुआ था। कहते हैं कि दानव कुलंत ब्यास नदी के प्रवाह को रोककर घाटी को जलमग्न करना चाहता था। अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उन्होंने एक अजगर का रूप धारण किया। वह जमीन पर मौजूद हर जीवन रूप को पानी के नीचे डुबो कर मारना चाहता था। ऐसे में भगवान शिव को उनके उपक्रम के बारे में पता चल गया जिसके बाद वे राक्षस का अंत करने के लिए आए। भगवान शिव ने राक्षस को पीछे मुड़कर देखने के लिए कहा और फिर जैसे ही उसने मुड़कर देखा तो उसकी पूंछ में आग लग गई। कहा जाता है कि जिस पर्वत पर बिजली महादेव मंदिर स्थित है, वह मृत दानव के शरीर से बना था। उनकी मृत्यु के बाद, उनका शरीर आस-पास की भूमि को ढक गया और एक पहाड़ के आकार में बदल गया।

कैसे पड़ा बिजली महादेव मंदिर नाम : बिजली महादेव को लेकर स्थानीय लोगों का ऐसा माना जाता है कि कुलंत को हराने के बाद वह भगवान इंद्र के पास गए और उनसे कहा कि वे हर बारह साल में पहाड़ पर बिजली के झटके मारें। लोगों की मानें तो महादेव नहीं चाहते थे कि उनके भक्तों को बिजली से नुकसान हो, इसलिए हर बारह साल में मंदिर पर गिरने वाली बिजली सीधे शिव लिंग पर गिरती है। भगवान शिव स्वयं पर प्रहार करते हैं और इस तरह मंदिर का नाम

बिजली महादेव पड़ गया।

टूट कर जुड़ जाता है शिवलिंग : हर बार जब बिजली महादेव शिवलिंग पर बिजली गिरती है, तो वह शिवलिंग टूट कर चकनाचूर हो जाता है। माना जाता है कि मंदिर के पुजारी हर टुकड़े को इकट्ठा करते हैं और फिर नमक मक्खन और सत्तू के साथ शिवलिंग को वापस एक साथ रखते हैं। ऐसा करने पर शिवलिंग पहले जैसा ही लगने लगता है।

करुणा के करणीराम पुस्तक का हुआ विमोचन

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ बी एल सैनी द्वारा लिखित जीवनीपरक पुस्तक करुणा के करणीराम का गरिमामय विमोचन समारोह संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त वरिष्ठ शिक्षक श्याम सुंदर शर्मा ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि ऐसी प्रेरणादायी जीवनियाँ समाज को सकारात्मक दिशा देती हैं तथा नई पीढ़ी को सेवा, संघर्ष और मानवीय मूल्यों का संदेश देती हैं। इस अवसर पर डॉ बी एल सैनी ने बताया कि यह पुस्तक झुंझुनू जिले के बड़ागांव निवासी एवं वर्तमान में विरार मुंबई निवासी करणीराम के प्रेरक जीवन पर आधारित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कृति पाठकों को समाजसेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रेरित करेगी। समारोह में मुकेश शर्मा, बहादुर सिंह महला, अनीता शर्मा, सायर गढ़वाल, भागीरथ शर्मा, धर्मपाल वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ बी एल सैनी को पुस्तक के सफल विमोचन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

छात्रावास अधीक्षकों के रिक्त पदों पर अतिरिक्त कार्यव्यवस्था के तहत 10 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

चूरू (नवयत्न)। राजकीय छात्रावासों में छात्रावास अधीक्षकों के रिक्त पदों पर अतिरिक्त कार्यव्यवस्था के तहत शिक्षा विभाग के शिक्षक/शिक्षिकाएं 10 अगस्त, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। एसजेईडी डीडी सत्येन्द्र पाल वीर ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिन राजकीय छात्रावासों में विभागीय नियमित छात्रावास अधीक्षक पदस्थापित/कार्यरत नहीं है, उन छात्रावासों में छात्रावास अधीक्षकों के रिक्त पदों पर शिक्षा विभाग के शिक्षकों को अतिरिक्त कार्यव्यवस्था के तहत 28 फरवरीए 2027 अथवा नियमित कर्मचारी उपलब्ध होने पर, जो भी पहले हो, तक की अवधि के लिए 5000 रुपये प्रति माह प्रति शिक्षक का समेकित मानदेय पर लगाये जाने हैं। जिले के राजकीय सावित्री बाई कन्या छात्रावास राजगढ़ एवं राजकीय अम्बेडकर छात्रावास भुखरेड़ी, बीदासर में विभाग के नियमित छात्रावास अधीक्षकों के पद रिक्त हैं। इन पदों के लिए शिक्षा विभाग के इच्छुक शिक्षक जो इन राजकीय छात्रावासों के नजदीकी विद्यालय में पदस्थापित/कार्यरत है, वे अपना आवेदन मय ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की सहमति सहित जिला कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चूरू में 10 अगस्तए 2026 तक जमा करवा सकते हैं।

आम सूचना

मैं लक्ष्मी नारायण पुत्र गजानंद जाति ब्राहमण निवासी ग्राम पिलोद तहसील सूरजगढ़ जिला झुंझुनूं (राज.)। यह कि संजय कुमार मेरा सगा पुत्र है। मेरे पुत्र का व्यवहार मेरे एवं मेरे परिवार के प्रति अत्यंत अनुचित एवं असहयोगपूर्ण रहा है जिससे मैं मानसिक एवं सामाजिक रूप से अत्यधिक परेशान हूँ। इसलिए मैं आज दिनांक 29/07/2026 से अपने पुत्र संजय कुमार को अपनी पैतृक व स्व-अर्जित चल एवं अचल संपति तथा अपने सभी व्यक्तिगत एवं पारिवारिक मामलों से बेदखल एवं पृथक घोषित करता हूँ। भविष्य में यदि कोई व्यक्ति मेरे पुत्र संजय कुमार के साथ मेरे नाम या मेरी संपत्ति के संबंध में कोई लेनदेन करेगा तो समस्त जिम्मेदारी स्वयं उस व्यक्ति की होगी इसके लिए मैं उत्तरदायी नहीं रहूँगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत भामरवासी

पं. स. चिड़ावा (झुंझुनू)

क्रमांक : 50 दिनांक: 30-07-2026

निविदा सूचना/2026-27

इस कार्यालय की NIB No. PGC2627A0018 एवं UBN No.PGC2627SSOB00018 के द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की गइ है जिन्हे http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक	**ग्राम विकास अधिकारी**
ग्राम पंचायत भामरवासी	ग्राम पंचायत भामरवासी
पं. स. चिड़ावा (झुंझुनू)	पं. स. चिड़ावा (झुंझुनू)

संत रविदास महाराज का किया पूजन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा पर समरसता दीप आरती हुई आयोजित। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ शहर मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया की अध्यक्षता में रविदास आश्रम में सभी श्रद्धालुओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने 61 दीपक जलाकर और रविदासजी की आरती के साथ किया। यह अभियान गुरु पूर्णिमा से शुरू होकर आगामी वर्ष फरवरी माह में गुरु रविदास जयंती तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया ने कहा कि गुरु रविदास के आदर्श आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं। गुरु रविदास ने जात-पात और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानव सेवा, भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। भारतीय जनता पार्टी उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने रविदास मंदिर पुजारी मोहन का शॉल, पुष्प माला व मिठाई भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, एससी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप, जिला मंत्री पवन माहेश्वरी, विधानसभा विस्तारक महावीर सेन, पूर्व मंडल अध्यक्ष भागीरथ करवा, मंडल उपाध्यक्ष अमरचंद सेन, सुमन सामरिया, महामंत्री गौरव इंदौरिया, कोषाध्यक्ष प्रकाश सोनी, विजय चैहान, मंत्री देवेन्द्र भाटी, मुरारी खण्डेलवाल, निवर्तमान पार्षद गणेश मंडावरिया, दीनदयाल पारीक, मनोज पारीक, पुरुषोत्तम शर्मा, प्रेम स्वामी, दिलीप चैधरी, सीताराम माली, अशोक तिवारी, सूरजाराम डाबरिया, मुनीराम जूनवाल, बाबूलाल फलवाडिया, लक्ष्मण बाकोलिया, राजेश फलवाडिया, संपत कुमार, अनिल सुवासिया, राजू बालोटिया, गोपाल कंपाउंडर आदि लोग मौजूद रहे।

आमरस से रुद्राअभिषेक व साबुत चना से सहस्रसम कर महादेव को रिझाया

नोखा (नवयत्न)। यहां तहसील परिसर स्थित अर्केश्वर महादेव मंदिर में देवाधिदेव भगवान महादेव के प्रिय पवित्र श्रावण मास की पूर्व संध्या बुधवार गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई 2026 से मंदिर व्यवस्थापक लालचन्द उपाध्याय के सानिध्य में दो कर्मकांडी विद्वान पंडितों बलराम कणातल व मधुसुदन द्वारा हर वर्ष की भांति विधिविधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान महादेव की विशेष पूजा व दूध से रुद्राअभिषेक और मिश्री के साथ सहस्रसन से शुरू की गई पूजा के बाद दूसरे दिन गुरुवार 30 जुलाई को सांय 5 बजे से लगभग 9 बजे तक अर्केश्वर महादेव परिवार की टीम के दिनेश सिंह राजपुरोहित की अगुवाई में महादेव की विशेष श्रावणी पूजा विधिविधान से करवाई। दूसरे दिन भगवान महादेव का आमरस से रुद्राअभिषेक और साबुत चना से

सहस्रसन किया गया। महादेव को बिल्व पत्र, दूध, दही, घृत, मधु, विजया भांग अबीर, गुलाल, चन्दन, पुष्प, फल आदि विभिन्न सामग्रीयों भेंट की गई। पूजा करने वालों में दिनेश सिंह राजपुरोहित, मोहित जोशी, ओमप्रकाश राठी, ओमप्रकाश पारीक, मदन जोशी, इंद्रचन्द मोदी, जयकरण चारण, विजय मारू, लालचन्द सेवक, बाबूलाल साध, राजू पनवाड़ी, घनश्याम छींपा, राधेश्याम सोनी, उमेश राठी, महादेव नाई, गोपाल मालपानी, हरी प्रसाद पारीक, पूनमचन्द कंवरा, आनंद दैया, नवरतन सोनी, गोपीकिशन मांणेचा, ब्रह्मप्रकाश तंवर, शिवराज विश्नोई, नवीन पंचारिया, जितेन्द्र गौड़, जगदीश पोटलिया सहित अनेकों शिव भक्त शामिल रहे। अर्केश्वर महादेव परिवार की टीम के अलावा भी पूजा का लाभ लेने से पीछे नहीं रहे। अर्केश्वर महादेव परिवार के इन्दचन्द मोदी ने प्रेस नोट जारी करते हुए उक्त जानकारी दी।

बाघसरा पंचायत में लगा फोलो अप कैंप

सुजानगढ़ (नवयत्न)। ग्रामीण सेवा शिविर के फोलो अप कैंप का आयोजन ग्राम पंचायत बाघसरा में किया गया। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा, तहसीलदार अर्जुनलाल सालोदिया ने शिविर का अवलोकन किया। शिविर में नाम शुद्धिकरण 11, नामांतरण 19, चिकित्सा जांच 110, आयुर्वेद विभाग द्वारा दवा वितरण 338, पशुपालको को दवा वितरण 125, पट्टा जारी 5, जन्म-मृत्यु 27 कार्य संपादित किए गए।

शिविर में केशराराम गोदारा, सहायक विकास अधिकारी घनश्याम भाटी, ग्राम विकास अधिकारी नेमीचंद मेघवाल, कनिष्ठ सहायक जेठाराम मेघवाल सहित अनेक विभागों के कर्मचारीगण मौजूद रहे।

एन.सी.सी. नामांकन 16 अगस्त को

निसं

नोखा (नवयत्न)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय, नोखा में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) के सीनियर डिवीजन (बालक) एवं सीनियर विंग (बालिका) के लिए सत्र 2026-27 का नामांकन 16 अगस्त को प्रात: 8 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणवीर सिंह ने बताया कि एन.सी.सी. में प्रवेश के इच्छुक नियमित छात्र-छात्राओं को निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित 13 अगस्त 2026 तक महाविद्यालय के कक्ष संख्या 06 की खिड़की में जमा कराना अनिवार्य होगा। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। नामांकन के समय अभ्यर्थियों को स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ मूल दस्तावेज भी सत्यापन हेतु प्रस्तुत करने होंगे। चयन प्रक्रिया में शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक दक्षता, दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र एवं इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय पर आवेदन प्रस्तुत कर निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नामांकन प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया है।

अजमीढ़ मन्दिर का स्थापना दिवस 31 को

बुगाला (नवयत्न)। महाराजा अजमीढ़ देव मन्दिर का 17 वां स्थापना दिवस 31 जुलाई को अजमीढ़ धाम (जीणमाता) में मनाया जाएगा। महाराजा अजमीढ़ स्मृति जन कल्याण संस्थान अध्यक्ष प्रभुदयाल डांवर, संरक्षक नरेश नारनोली व कोषाध्यक्ष विनोद सुनालिया बाघोली वाले ने बताया कि 30 जुलाई को रात्रि भजन संध्या होगी जिसमें समाज के अनेक स्थानों से आए कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। 31 जुलाई को सुबह सवा 8 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी जो गाजे बाजे के साथ जगदम्बा धर्मशाला जीणमाता से अजमीढ़ धाम आएगी। मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा होंगे। अध्यक्षता समंदर सिंह कचेरा पिलानी वाले करेंगे। सवा 10 बजे दीप प्रज्वलन व सामूहिक आरती होगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत पातुसरी

पंचायत समिति झुंझुनूं

जिला झुंझुनूं (राज.)

क्रमांक : 69 दिनांक : 30.07.2026

निविदा सूचना 4/2026-27

ग्राम पंचायत पातुसरी में राज्य वित आयोग षष्ठम मद योजना अन्तर्गत स्वीकृत कार्य ग्राम पातुसरी में मुख्य रोड व मेघवाल बस्ती में एलईडी लाइट लगाने का कार्य को सम्पादित करने हेतु इच्छुक संवेदकों एवं प्राधिकृत फर्मों से दिनांक 05.08.2026 दोपहर 2 बजे तक निविदा (Work Tender) आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबधित समस्त जानकारी कार्यालय समय में ग्राम पंचायत पातुसरी के कार्यालय http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN:-PGH2627WSOB00019

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पातुसरी	ग्राम पंचायत पातुसरी
पंचायत समिति झुंझुनूं	पंचायत समिति झुंझुनूं

कार्यालय ग्राम पंचायत नूनियां गोठड़ा

पं. स. चिड़ावा (झुंझुनू)

क्रमांक : 49/26-27 दिनांक: 29-07-2026

निविदा सूचना/2026-27

इस कार्यालय की NIB No. PGC2627A0020 एवं UBN No. PGC2627SSOB00020 के द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की गई है जिन्हे http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक	**ग्राम विकास अधिकारी**
ग्राम पंचायत नूनियां गोठड़ा	ग्राम पंचायत नूनियां गोठड़ा
पं. स. चिड़ावा (झुंझुनू)	पं. स. चिड़ावा (झुंझुनू)

कार्यालय ग्राम पंचायत सोटवारा पंचायत समिति नवलगढ़

जिला झुन्झुनूं (राज.)

क्रमांक:- ग्रा.प./SBM/2026-27/403-404 दिनांक:-29/07/2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सोटवारा पंचायत समिति नवलगढ़ के अधिनस्थ ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामों में आगामी एक वर्ष के लिए घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक श्रम विभाग एवं जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से दर अनुबन्ध हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म /शर्ते कार्यालय एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc,rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।

NIB NO. ZJU2627A0484
UBN NO. ZJU2627SSRC00941
Tender id :- 2026_PRD_579662_1

प्रशासक
ग्राम पंचायत सोटवारा
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सोटवारा
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल अजीतगढ़ (सीकर)

Email.Id: Npajitgarh@gmail.com

क्रमांक :न.पा.अजी./2026-27/1006 दिनांक:- 27.07.2026

ई निविदा सूचना क्रमांक 04/2026-27

इच्छुक पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों/व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका अजीतगढ द्वारा वर्ष 2026-27 में आवश्यक विकास कार्य करवायें जानें हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http:/eproc.rajasthan.gov.in/ पर 27.07.2026 से 14.08.2026 तक डाउनलोड एवं अपलोड किये जा सकते है उक्त निविदा सूचना http://sppp.raj.nic.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी जा सकती है। उक्त कार्य की एनआईबी कोड व यूबीएन नंबर निम्नानुसार हैं :-

NIB code	DLB2627A4844	UBN	DLB2627WSOB11597
			DLB2627WSOB11598
			DLB2627WSRB11596
			DLB2627WSOB11600
			DLB2627WSOB11601
			DLB2627WSOB11602

राज.संवाद/सी/26/8062

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका अजीतगढ

कार्यालय ग्राम पंचायत नाहरसिंघानी पं.स. नवलगढ़, जिला झुन्झुनूं

क्रमांक : ग्रा.प./लेखा/निविदा/2025-26/166 दिनांक :- 29.07.2026

ई-निविदा सूचना 05/2025-26

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति नवलगढ़ के अधीनस्थ ग्राम पंचायत नाहरसिंघानी में ग्राम बलरिया में खेल मैदान की चारदिवारी निर्माण कार्य दूरी 440 मीटर निर्माण हेतु राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियमों के तहत नियम 181 में ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक संवेदकों/निविदादाताओं से जी.एस.टी. पंजीकृत एवं सक्षम श्रेणी में पंचायतीराज विभाग, राजकीय विभाग एवं राजकीय उपक्रम में पंजिकृत फर्मों/संवेदकों से निर्माण कार्य करने हेतु ई निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है।

निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तिथि व समय	30-07-2026, प्रात: 10:00 बजे से 10-08-2026, सांय 6:00 बजे तक।
निविदा ऑन लाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	10-08-2026 सायं 6:00 बजे तक।
दस्तावेज भौतिक रूप से जमा कराने की तिथि व समय	11-08-2026 दोपहर 12:00 बजे तक।
आनलाईन निविदा खोलने की तिथि व समय	11-08-2026 दोपहर 02:00 बजे।

ई-निविदा संख्या	NIB CODE	UBN CODE	TENDER ID
5	ZJU2526A0483	ZJU2526WSOB 00940	2026_PRD_ 579501_1

निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत नाहरसिंघानी से व्यक्तिश: अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल एवं http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत नाहरसिंघानी
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत नाहरसिंघानी
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

जन्मदिवस पर गौसेवा एवं फल वितरित

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय महासचिव भगत सिंह मऊ ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत के नेतृत्व एवं प्रेरणा से गौसेवा तथा जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को फल वितरित कर सेवा, संस्कार और मानवता का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर गौमाता को हरा चारा एवं गुड़ खिलाकर गौसेवा की गई तथा गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को फल वितरित कर मानव सेवा का पुनीत कार्य किया गया। कार्यक्रम में दिग्विजय सिंह, राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भादवा, महादेव सिंह शेखावत एवं द्विजेंद्र सिंह सहित समस्त करणी सैनिक उपस्थित रहे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड नीम का थाना

(दूरभाष संख्या 01574-230162, ई-मेल xenphednkt@gmail.com)

क्रमांक: एफ( )निविदा/2026-27/2203-2216 दिनांक:- 27-07-2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 08-14/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड के अधीन उपखण्ड अजीतगढ़ एवं नीमकाथाना में विभिन्न मरम्मत कार्यों के लिए ई-निविदा सं. 08-14/2026-27 आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 27.07.2026 प्रात: 11:00 बजे से 10.08.2026 सायं 06:00 बजे तक विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड कर 10.08.2026 सायं 06:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है एवं दिनांक 11.08.2026 प्रात: 11:00 बजे से खोली जायेगी। ई-टेन्डरिंग से सम्बन्धित अन्य आवश्यक विवरण विभाग की वैब साइट dipronline.com, http://sppp.raj.nic.in पर देखे जा सकते है। विभिन्न शर्तों सहित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान, जयपुर में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों तथा पूर्व सक्षम स्वीकृति उपरान्त अन्य विभागों में पंजीकृत इन कार्यों में अनुभवी संवदेकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा भाग ले सकते है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेब साईट http://eproc. rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB No. PHE26267A1566

NIT No.	UBN No.	NIT No.	UBN No.
08	PHE2627WSRC3054	12	PHE2627WSRC3059
09	PHE2627WSRC3056	13	PHE2627WSRC3060
10	PHE2627WSRC3057	14	PHE2627WSRC3061
11	PHE2627WSRC3058		

(अनिल कुमार जाखड़)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग
खण्ड नीमकाथाना

DIPR/C/13229/2026

विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस पर चूरू रेलवे स्टेशन पर जागरूकता अभियान

निसं

चूरू (नवयत्न)। विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर राजस्थान महिला कल्याण मंडल, चुरू परियोजना के अंतर्गत वैश्विक संगठन जस्ट राईट फोर चिलड्रन की परियोजना के द्वारा चूरू रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी एवं बाल तस्करी की रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल तस्करी से संबंधित जागरूकता पोस्टर का विमोचन उपनिरीक्षक नंद किशोर आरपीएफ स्टेशन अधीक्षक सुरेश कुमार माथुर, सीटीआई रणवीर दहिया तथा हेड कांस्टेबल राजेश कुमार नेहरा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर संस्था की जिला समन्वयक रुकैया पठान ने रेलवे प्लेटफॉर्म पर उपस्थित यात्रियों को संबोधित करते हुए मानव तस्करी एवं बाल तस्करी के बढ़ते खतरों के प्रति जागरूक रहने, संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने तथा जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं संबंधित विभागों से संपर्क करने की अपील की। जागरूकता कार्यक्रम के उपरांत जस्ट राईट फोर चिलड्रन एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम द्वारा दिल्ली से जोधपुर जाने वाली ट्रेन की सघन जांच की गई। जांच के दौरान एक नाबालिग बालक ट्रेन में लावारिस अवस्था में मिला। बालक के पास यात्रा टिकट नहीं था तथा उसके साथ कोई अभिभावक भी मौजूद नहीं था। संदेहास्पद परिस्थितियों को देखते हुए आरपीएफ ने बालक को सुरक्षित रेस्क्यू कर अपने संरक्षण में लिया तथा आवश्यक कार्रवाई हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन एवं जस्ट राईट फोर चिलड्रन की टीम को सुपुर्द किया। पूछताछ के दौरान बालक ने बताया कि वह पटौदी से बीकानेर अपनी बुआ के घर जा रहा था। उसने बताया कि उसके पिता उसके साथ मारपीट करते हैं, जिससे परेशान होकर वह घर से भाग आया। इसके बाद टीम द्वारा बालक के परिजनों से संबंधित जानकारी एकत्रित की गई। बालक के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए उसका चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया तथा अग्रिम कार्यवाही हेतु उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से रेलवे स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों को यह संदेश दिया गया कि मानव तस्करी की रोकथाम केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी संदिग्ध स्थिति में तत्काल सूचना 1098 व 1800 1027222 पर देकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में निर्मला कॉन्स्टेबल, रमेश कुमार कॉन्स्टेबल, रणवीर दहिया कॉन्स्टेबल, रिजवान खान रेस्क्यू समन्वयक, रमजान खान ट्रैफिक इंचार्ज, पूनम सिसोदिया फिल्ड कोर्डिनेटर एसुमन चोपड़ा फिल्ड कोर्डिनेटर, ज्योति बागड़ी काउंसलर, बाल अधिकार विभाग, स्टेशन कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

सावन के पहले दिन मेहरबान हुए बादल

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। सावन के पहले दिन गुरुवार को श्रीमाधोपुर में मौसम ने करवट ली। सुबह करीब 6:30 बजे से शुरू हुई हल्की बूंदाबांदी और रिमझिम बारिश का दौर रुक-रुककर सुबह 10 बजे तक जारी रहा। करीब छह दिन बाद हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। बारिश के दौरान कई स्कूली बच्चे भीगते हुए स्कूल पहुंचे जबकि सुबह की सैर पर निकले लोगों ने भी सावन की पहली फुहारों का आनंद लिया। बारिश के बीच ढाणी गोपीनाथजी वाली में आकाशीय बिजली गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया। किसान भोमाराम के घर पर बिजली गिरने से वहां बंधी एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीण कुलदीप सिंह ने बताया कि बिजली गिरने से घर का बिजली मीटर, वायरिंग सहित अन्य विद्युत उपकरण भी जल गए। घटना के बाद परिवार और आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। इससे पहले बुधवार को पूरे दिन बादल छाए रहे थे लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को भीषण उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। गुरुवार सुबह हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और सुबह 10 बजे शहर का तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे मौसम काफी खुशनुमा हो गया। बारिश ने शहर में चल रहे सीवरेज कार्य की भी पोल खोल दी। बाजारों और कई गलियों की टूटी सड़कों पर कीचड़ और फिसलन हो गई, जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। कई स्थानों पर दुपहिया वाहन चालक संभलकर निकलते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार मानसूनी तंत्र फिलहाल सक्रिय है। इसके प्रभाव से सीकर जिले सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र में आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है। विभाग ने 4 अगस्त तक पूर्वी राजस्थान में मानसून सक्रिय रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान शेखावाटी सहित कई क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

शहरी फोलो अप कैंप में हुआ समस्याओं का समाधान

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय नगरपरिषद कार्यालय में फोलो अॅप कैम्प शहरी सेवा शिविर का आयोजन वार्ड नं. 15 व 16 के लोगों के लिए आयोजित किया गया। कार्यवाहक आयुक्त द्वारका प्रसाद ने बताया है। कि शिविर में कृषि भूमि व 69, के पट्टे की 2, पट्टा नवीनीकरण 5, पत्रावलियों का मौके पर निस्तारण किया गया। यू.डी. टैक्स के आवेदन 7, जीवीपी. 8, सीवर कनेक्शन 3, नाली मरम्मत 02, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन पत्र 21, स्ट्रीट लाईट 06, ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण पत्र 03, पी.एम. स्व निधि 02, जन आधार अद्यतन, संशोधन, नये जोडे गये सदस्य 21, वृक्षारोपण 120, आज जोड़े गये पेशनर्स की संख्या 3, शहरी रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत जॉबकार्ड 5, विद्युत सप्लाई मे व्यवधान 02, ढीले तारों को व्यवस्थित 5, प्रकरण प्राप्त हुएए जिनको मौके पर निस्तारण किया गया है। चिकित्सा शिविर के अन्तर्गत 462 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य 50 के प्रकरण प्राप्त हुए। एन.सी.डी. 287 प्रकरण, आधार सिडिंग 04, आधार केवाईसी. 03, एलपीजी. आई.डी. के.वाई.सी 02 प्रकरण प्राप्त हुए जिनको मौके पर निस्तारण किया गया। शिविर में निवर्तमान पार्षद रिछपाल बिजारणियां, पंकज घासोलिया, विजय बटेसर, निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि सौरभ पीपलवा, राकेश प्रजापत, गणेश मंडावरिया, मनीष दाधीच आदि ने उपस्थित होकर आमजन को शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस मौके पर सहायक अभियंता चारवी, शिविर प्रभारी सहायक नगर नियोजक उदय सिंह, कनिष्ठ अभियंता कमलेश साखुनिया, लेखाकार ओमप्रकाश खीचड़, वरिष्ठ लिपिक गौतम पारीक, लोकेश जांगिड तथा कनिष्ठ लिपिक लोकेश सियोता, फायरमैन देविका, रामनिवास जाट, सुनील विश्नोई मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी के जे.टी.ए. यतेन्द्र सिंह, लेखा सहायक सरिता बुडानियां, एम.आई.एस. मैनेजर कृष्ण शर्मा, रोजगार सहायक मनीषा व समस्त कम्प्यूटर ऑपरेटर नगर परिषद् तथा चिकित्सा विभाग के नर्सिंग ऑफिसर विष्णु शर्मा, ए.एन.एम. सुमन कुमारी, जलदाय विभाग के फिटर शंकर, उर्जा विभाग के कनिष्ठ अभियंता गौतम मेघवाल, टेक्निशियन राकेश तुनवाल तथा अन्य विभागों के कार्मिक उपस्थित रहे।

42 लाख की लागत से सीसी सड़क का निर्माण अगले सप्ताह से

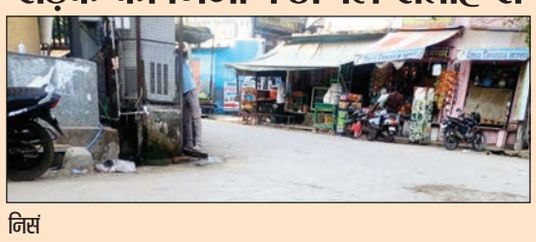

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। नगर पालिका द्वारा बिसाऊ में बाइपास से मलसीसर स्टैंड तक 42 लाख की लागत से बनने वाली सीसी सड़क सात-आठ माह पूर्व बनाई गई इंटरलाक सड़क को उखाड़ कर उसकी जगह बनेगी। पालिका के जेईएन सोमंत कुमार के अनुसार जल्द ही बाइपास से जांगीड़ भवन के आगे से होकर मलसीसर स्टैंड तक 42 लाख की लागत से 355 मीटर लंबी सीसी सड़क का अगले सप्ताह से निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। गौरतलब है कि बाइपास से मलसीसर स्टैंड के बीच में एक साल के अंतराल में पीडब्ल्यूडी ने दो जगह इंटरलाक सड़क बनाई थी अब उसकी जगह नगर पालिका इंटरलाक को उखाड़ कर नई सीसी सड़क का निर्माण करवा रही है। सोचने वाली बात है कि एक साल पूर्व बनाई गई इंटरलाक सड़क कों उखाड़ कर उस पर सीसी सड़क बनाना इससे ऐसा लगता है की सरकार के जिम्मेदार अधिकारी किस तरह जनता के टैक्स के पैसों का दुरपयोग कर रहे हैं यह जांच का विषय है।

दीपोत्सव के साथ शुरू हुआ भाजपा का सामाजिक समरसता अभियान

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती समारोह की श्रृंखला का शुभारम्भ शहर मंडल द्वारा किया गया। यह अभियान गुरु पूर्णिमा से शुरू होकर आगामी वर्ष फरवरी माह में गुरु रविदास जयंती तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। इस क्रम में भाजपा शहर मंडल की ओर से वार्ड संख्या 45 स्थित गुरु रविदास मंदिर में दीपोत्सव आयोजित कर सामाजिक समरसता अभियान का आगाज किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने दीप प्रज्वलित कर एवं गुरु रविदास मंदिर में धोक लगाकर किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक महर्षि ने कहा कि संत गुरु रविदास ने अपने जीवनभर समानता, सामाजिक समरसता और मानवता का संदेश दिया। उनके बताए आदर्श आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश गाडगीळ ने संत गुरु रविदास के जीवन प्रसंगों का उल्लेख किया। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष महेश सैनी ने कहा कि भाजपा सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम को रेगर विकास समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश फौजी, रामचन्द्र बाकोलिया, अर्जुन सिंह फ्रांसा तथा शिवकुमार गाडगीळ ने भी संबोधित करते हुए संत गुरु रविदास के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल महामंत्री दीपक मुरारका ने किया।

हरिद्वार से कांवड़ लाने के लिए जत्था रवाना

निसं

मंडावा (नवयत्न)। हरिद्वार कांवड़ यात्रा के लिए मंडावा से श्रद्धालुओं का एक जत्था गुरुवार को रवाना हुआ। विनोद चौपदार के नेतृत्व में निकले कांवड़ियों में राकेश कुमार महला, गिरधारी सिंह राठौड़, पंकज बगड़ियाए लाला सैनी, रामस्वरूप सेन, मनोज कुमावत और सुशील हलवाई शामिल थे। रवाना होने से पहले सभी भक्तों ने स्थानीय सियाराम जी के बगीचे में महंत विष्णु महाराज के सानिध्य में सामूहिक पूजा-अर्चना की और कांवड़ यात्रा की मंगलकामना की। पूजा-अर्चना के दौरान महंत विष्णु महाराज ने कांवड़ यात्रा की परंपरा, श्रद्धा और सावधानियों पर प्रकाश डालते हुए तीर्थयात्रियों को सुरक्षित यात्रा के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा में अनुशासन, सफाई और श्रद्धा का पालन आवश्यक है। पूजा के पश्चात विनोद चौपदार ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे रास्ते में शांति और संयम बनाए रखेंगे और हरिद्वार जाकर भगवान शिव व गंगाजल का आशीर्वाद घर वापस लौटेंगे। यात्रा से पूर्व स्थानीय लोगों ने भी श्रद्धालुओं को अच्छी यात्रा की शुभकामनाएँ दीं। विनोद चोपदार ने बताया कि इस 7वीं यात्रा के लिए 1 अगस्त को हरिद्वार से चलकर 10 अगस्त को रात्रि में पहुंचकर 11 को शिवरात्रि पर शहर के सभी मंदिरों में जलाभिषेक किया जाएगा।

ग्रामीण विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पद्मश्री लक्ष्मण सिंह सम्मानित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में गुरुवार से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ग्रामीण विकास को फिर से परिभाषित करना : बहु-विषयक परिप्रेक्ष्य एवं वैश्विक अंतर्दृष्टि का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए गांवों को आत्मनिर्भर और विकास की मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया गया। इस दौरान ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री लक्ष्मण सिंह को डॉ के राम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही ग्रामीण विकास, नीति निर्माण, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डॉ के राम ग्रामोत्थान अध्ययन पीठ का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस डॉ ललित के पंवार ने की। मुख्य अतिथि एवं सेवानिवृत्त आईएएस पवन अरोड़ा ने जनभागीदारी, प्रभावी नेतृत्व और संस्थागत समन्वय को विकास का आधार बताया। मुख्य वक्ता प्रो. विजय वीर सिंह ने ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन पर बल दिया जबकि नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ के रवि बाबू ने जल संरक्षण, एफपीओ, आधुनिक कृषि तकनीक और बाजार संपर्क को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार बताया। मुख्य संरक्षक एवं सेवानिवृत्त आईपीएस डॉ के राम ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित नहीं बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, तकनीकी नवाचार और सम्मानजनक आजीविका से जुड़ा है। पद्मश्री लक्ष्मण सिंह ने जल संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी के अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं से गांवों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नागौर जिले के सिंगार गांव के मेधावी विद्यार्थियों को डॉ के राम छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई। सम्मेलन के पहले दिन नीति, सुशासन एवं ग्रामीण परिवर्तन : समावेशी और सशक्त समुदायों का निर्माण विषय पर पैनल चर्चा हुई, जिसमें डिजिटल समावेशन, जलवायु-स्मार्ट कृषि, महिला एवं युवा सशक्तिकरण, कौशल विकास, ई-गवर्नेंस और स्थानीय उद्यमिता को भविष्य के ग्रामीण भारत की दिशा बताया गया।

एमजेडी कॉलेज में एनसीसी भर्ती 3 अगस्त को

तारानगर (नवयत्न)। माँ जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय, तारानगर में 3 अगस्त को सुबह 8 बजे एनसीसी कैडेट्स की भर्ती होगी। एनसीसी प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद कस्वा ने बताया कि एनसीसी कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के समस्त नियमित विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। कुल रिक्त सीटों में से 40 प्रतिशत सीटें छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। भर्ती प्रकिया में 1600 मीटर दौड़, शारीरिक दक्षता, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार प्रक्रिा शामिल होगी व इसी के अनुसार ही भर्ती होगी। इच्छुक विद्यार्थी जो शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ हो उनको भरे हुए आवेदन पत्र व आवश्यक दस्तावेज के साथ महाविद्यालय खेल मैदान में 3 अगस्त को सुबह 8 बजे पहुंच कर अपना टोकन लेना होगा। विद्यार्थी आवेदन पत्र महाविद्यालय की वेबसाईट से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशासन की हठधर्मिता के खिलाफ फैक्ट्री संचालकों और मजदूरों ने किया विरोध प्रदर्शन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सांगानेर क्षेत्र के शिकारपुरा रोड, गवार-बामणियां में प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में रंगाई-छपाई उद्योग से जुड़े फैक्ट्री संचालकों और मजदूरों ने गुरुवार को संयुक्त रूप से सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिना पर्याप्त समय और उचित व्यवस्था उपलब्ध करा, फैक्ट्रियों को सीज किया जा रहा है। तथा बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे हजारों मजदूरों और उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। साथ ही भूखे मरने की नौबत आ रही है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सांगानेर रंगाई-छपाई क्षेत्र का कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट सीईटीपी लंबे समय से पूरी क्षमता से संचालित नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि प्लांट या तो बंद पड़ा रहता है अथवा वर्तमान में केवल 1 एमएलडी क्षमता पर संचालित किया जा रहा है, जबकि क्षेत्र की आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। फैक्ट्री संचालकों ने बताया कि सीईटीपी में करीब 800 सदस्य हैं, जिन्होंने सदस्य बनने के लिए 15 से 20 लाख रुपये तक का योगदान दिया है। इसके बावजूद वर्तमान में केवल 143 फैक्ट्रियों को संचालन की अनुमति दी गई है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन 143 फैक्ट्रियों में से लगभग 80 फैक्ट्रियां स्वयं सीईटीपी संचालकों से संबंधित हैं, जिससे अन्य सदस्यों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सीईटीपी संचालकों की फैक्ट्रियों की किसी सक्षम एवं स्वतंत्र अधिकारी से मौके पर जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वास्तविक प्रदूषण किन इकाइयों से हो रहा है। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच होने पर पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी फैक्ट्री मालिकों को पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए कम से कम तीन माह का समय दिया जाए और उसके बाद ही किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही पानी शोधन संयंत्र लगाने पर वर्तमान 50 प्रतिशत अनुदान को बढ़ाकर 80 प्रतिशत किया जाए, ताकि छोटे और मध्यम उद्योग भी आवश्यक उपकरण स्थापित कर सकें। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती, तब तक फैक्ट्रियों को सीज करने और बिजली कनेक्शन विच्छेद जैसी कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वर्तमान कार्रवाई से केवल फैक्ट्री संचालक ही नहीं बल्कि हजारों मजदूरों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। यदि उद्योग बंद होंगे तो बड़ी संख्या में श्रमिक बेरोजगार हो जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान पंकज गौतम और ओमप्रकाश सैनी ने कहा कि प्रशासन को उद्योगों और मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संवाद के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को नियमों का पालन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए तथा निष्पक्ष जांच कर दोषी इकाइयों पर ही कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो फैक्ट्री संचालक और मजदूर संयुक्त रूप से आंदोलन को और तेज करेंगे। इसके लिए उन्हें धरना पदर्शन, आमरण अनशन ओर चाहे सड़क पर उतरकर विरोध करना पड़े, इसके लिए वह तैयार है।

पाईप चोरी होने की दी जानकारी, संख्या नहीं बताई

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय सदर पुलिस थाने में रियान वॉटर टेक प्रा. लि. के प्रोजेक्ट मैनेजर विपुल शर्मा पुत्र गौरीशंकर निवासी मुरडाकिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाकर कंपनी के लोडसर यार्ड से 90 एमएम एवं 75 एमएम के पाइप चोरी होने की जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है। कि में रियान वॉटर टेक प्रा. लि. द्वारा रतनगढ़ सुजानगढ़ पेयजल आपूर्ति परियोजना जल जीवन मिशन का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत उपयोग में आने वाली सामग्री कंपनी के लोडसर यार्ड में सुरक्षित रूप से संग्रहित की जाती है। इसी क्रम में 26 जुलाई को यार्ड के निरीक्षण एवं स्टॉक सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि यार्ड में रखे 90 एमएम एवं 75 एमएम के पाईप अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। उपलब्ध अभिलेखों एवं स्थल निरीक्षण के आधार पर प्रथम दृष्टया यह चोरी की घटना प्रतीत होती है, जिससे कंपनी को आर्थिक क्षति हुई है तथा परियोजना कार्य भी प्रभावित होने की संभावना है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कितने पाईप चोरी हुए हैं, इसकी जानकारी प्रार्थना पत्र में नहीं दी गई है। जिससे पता चलता है कि क्या भौतिक सत्यापन के बाद भी चोरी की मात्रा का पता चलाने में अधिकारी असमर्थ रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190